सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 193, नई दिल्ली । रविवार, 22 सितम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 ज्ञान रूपी गंगा से झोली भर लो -संदीप मारवाह
06 समय प्रबंधन ...
08 सब कुछ मिलता है आप तैयार हो ना.....।

आपका कारखाना मोटर्स ने खोली इलेक्ट्रिक ऑटो की अधिकृत डीलरशिप

परिवहन विशेष न्यूज

मर्करी मेटल्स लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में कदम रखते हुए मर्करी ईवी टेक के नाम से दिल्ली में अपना कारोबार शुरू किया हैं। कंपनी ने आपका कारखाना मोटर्स को अधिकृत डीलरशिप सौंपी हैं।

गुजरात के वडोदरा स्थित मर्करी ईवी टेक लिमिटेड इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री के लिए उत्तर भारत में विस्तार कर रही है और उसने दिल्ली में आपका कारखाना मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, पोसंगीपुर, जनकपुरी में अपनी पहली अधिकृत वाहन बिक्री डीलरशिप शुरू की है। आपका कारखाना इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में पहली बार बेहतरीन आफ्टर-सेल्स और सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ कई पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेगा।

दिल्ली में वर्तमान में चल रही अधिकांश ग्रामीण सेवाएं जीर्ण-शीर्ण हो चुकी हैं। पुरानी ग्रामीण सेवा वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने से प्रदूषण कम होगा। ये नए इलेक्ट्रिक वाहन अधिक आराम और दक्षता प्रदान करेंगे।

जनकपुरी से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन कॉरिडोर को मिल चुकी है हरी झंडी, अभी भी मेट्रो परिचालन का इंतजार

जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के बीच बनकर तैयार भूमिगत कॉरिडोर पर मेट्रो का परिचालन शुरू होने का इंतजार है। सीएमआरएस से हरी झंडी मिलने के बावजूद डीएमआरसी अभी तक परिचालन शुरू करने की तारीख घोषित नहीं कर पाया है। इस कॉरिडोर के शुरू होने से मजेंटा लाइन पर बोटेनिकल गार्डन से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन तक मेट्रो सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। फेज चार में जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के बीच बनकर तैयार भूमिगत कॉरिडोर पर इस माह तीन सप्ताह समय बीत जाने के बाद भी मेट्रो का परिचालन शुरू होना तो दूर डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल निगम) अब तक परिचालन शुरू करने की तारीख भी घोषित नहीं कर पाया है।

यह भी तब जब मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) से मेट्रो का परिचालन शुरू करने की हरी झंडी काफी पहले मिल चुकी है। फिर भी इस कॉरिडोर पर अभी मेट्रो का परिचालन शुरू होने का इंतजार है। डीएमआरसी का कहना है कि जल्दी ही ढाई किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर मेट्रो का परिचालन शुरू किया जाएगा।

वर्तमान मजेंटा लाइन की विस्तार परियोजना

यह कॉरिडोर फेज चार में निर्माणाधीन करीब 29 किलोमीटर लंबी जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मेट्रो लाइन का हिस्सा और यह वर्तमान मजेंटा लाइन की विस्तार परियोजना है। मौजूदा समय में मजेंटा लाइन पर बोटेनिकल गार्डन से जनकपुरी पश्चिम के बीच मेट्रो सेवा उपलब्ध है।

ढाई किलोमीटर का भूमिगत कॉरिडोर तैयार

जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के बीच करीब ढाई किलोमीटर का भूमिगत कॉरिडोर पूरी तरह तैयार है। इस भूमिगत कॉरिडोर पर मेट्रो का ट्रायल पूरा होने के बाद 30 जुलाई को सीएमआरएस ने सुरक्षा मानकों की जांच की थी। डीएमआरसी ने अगस्त में ही इस कॉरिडोर पर परिचालन शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

30 अगस्त को परिचालन शुरू करने की दी स्वीकृति

डीएमआरसी के अनुसार सीएमआरएस ने 30 अगस्त को परिचालन शुरू करने के लिए फाइनल स्वीकृति दी थी। डीएमआरसी परिचालन शुरू करने में देरी का कोई खास कारण नहीं बता पा रहा है। इस कॉरिडोर पर मेट्रो का परिचालन शुरू होने से मजेंटा लाइन पर बोटेनिकल गार्डन से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन तक मेट्रो सेवा उपलब्ध हो जाएगी। इससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी।

ट्रैफिक नियम तोड़ने की मिली 2500 शिकायतें पहले करें रिपोर्ट फिर पुलिस देगी इनाम

संजय बाटला

ट्रैफिक प्रहरी ऐप के री-लॉन्च के बाद 22 दिनों में 2513 ट्रैफिक उल्लंघनों की शिकायतें मिली हैं। नागरिकों को पुलिस की आंख और कान बनने और यातायात उल्लंघनों की रिपोर्ट करके उनकी संख्या कम करने में मदद करने के लिए ट्रैफिक प्रहरी योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत लोगों द्वारा खतरनाक ड्राइविंग गलत साइड ड्राइविंग अनुचित पार्किंग ऑटोरिक्शा दुर्व्यवहार अधिक किराया लेना आदि शामिल हैं।

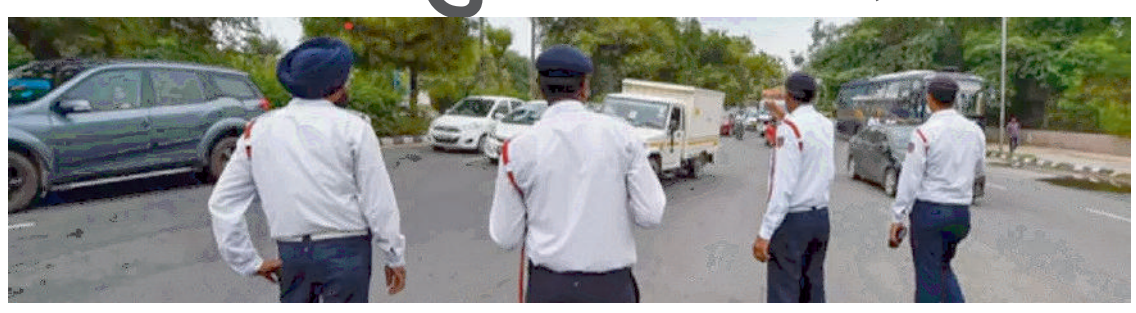

नई दिल्ली। ट्रैफिक प्रहरी ऐप रीलांच होने के बाद 22 दिन की अवधि में 2,513 उल्लंघनों की रिपोर्ट दर्ज की गई। जो यातायात प्रबंधन में आम जन की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक 28 अगस्त से 18 सितंबर के बीच 7,242 लोगों ने मोबाइल ऐप डाउनलोड किया और 3,128 नए उपयोगकर्ताओं ने पंजीकृत किया।

ट्रैफिक प्रहरी योजना नागरिकों को पुलिस की आंख और कान बनने और यातायात उल्लंघनों की रिपोर्ट करके उनकी संख्या कम करने में मदद करती है। इस योजना के तहत मोबाइल ऐप दिसंबर 2015 में लांच किया गया था। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कुछ समय पहले यातायात पुलिस को ट्रैफिक प्रहरी ऐप को अपग्रेड कर फिर से लांच करने का निर्देश दिया था।

3.98 लाख उल्लंघन की शिकायत दर्ज

3.98 लाख उल्लंघन की रिपोर्ट दर्ज आंकड़ों के अनुसार, ऐप के 1.86 लाख डाउनलोड, 80,777 पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं और इस पर 3.98 लाख उल्लंघन की रिपोर्ट की गई है। यह ऐप नागरिकों को खतरनाक और गलत साइड ड्राइविंग, फर्जी नंबर प्लेट, अनुचित पार्किंग या फुटपाथ पर पार्किंग, ऑटोरिक्शा या टैक्सी चालकों द्वारा दुर्व्यवहार या उत्पीड़न।

अधिक किराया लेना, लाल बत्ती पार करना, ऑटोरिक्शा या टैक्सी चालकों द्वारा जाने से मना करना, दो पहिया वाहनों पर तीन लोगों को बैठाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना, बिना हेलमेट के वाहन चलाना और बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाना जैसे उल्लंघनों की रिपोर्ट करने का अधिकार देता है।

ऐप से कोई भी कर सकता है शिकायत

इस पुरस्कार-आधारित योजना के तहत, कोई व्यक्ति मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकता है और अपने मोबाइल नंबर का उपयोग करके पंजीकरण कर सकता है। पंजीकरण करने के बाद ऐप पर ट्रैफिक उल्लंघन की फोटो और वीडियो अपलोड करके ट्रैफिक उल्लंघन की रिपोर्ट की जा सकती है।

पर्यावरण पाठशाला : अवैध पोस्टरों ने हरित पट्टियों को बनाया निशाना, पेड़ों पर मंडरा रहा खतरा

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद की सड़कों पर अवैध पोस्टरों और विज्ञापन सामग्री का अतिक्रमण अब एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ये पोस्टर और होर्डिंग्स न केवल हरित पट्टियों को खराब कर रहे हैं, बल्कि पेड़ों की स्थिति भी दिन-प्रतिदिन चिंताजनक हो रही है। इन पोस्टरों को पेड़ों पर तारों से बांधने या मुख्य तनों पर स्टेपल करके लगाया जा रहा है, जिससे पेड़ों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ये अवैध पोस्टर पेड़ों को धीरे-धीरे कमजोर बना रहे हैं, जिससे न केवल हरित क्षेत्र प्रभावित हो रहा है, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी नजरअंदाज हो रही है।

सड़क सुरक्षा टीम और स्थानीय निवासी इस समस्या को लेकर बेहद परेशान हैं और उन्होंने इसके खिलाफ विरोध दर्ज कराया है। ये लोग अब इस मामले को फरीदाबाद प्रशासन के उच्चाधिकारियों तक ले जाने की तैयारी में हैं, ताकि इसे जल्द से जल्द सुलझाया जा सके। पेड़ों पर बंधे ये तार और पोस्टर न केवल पेड़ों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि शहर के सौंदर्य और पर्यावरणीय संतुलन को भी बिगाड़ रहे हैं।

वहीं, इस मुद्दे के साथ-साथ शहर में अन्य कई समस्याएँ भी सामने आ रही हैं, जैसे कि आवारा पशुओं का सड़कों पर नियंत्रण न होना और गड्ढों का समय पर ठीक न किया जाना। ये समस्याएँ भी सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुकी हैं। अब इन अवैध पोस्टरों ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है, जिससे लोगों की परेशानियाँ बढ़ गई हैं।

स्थानीय निवासियों और सड़क सुरक्षा टीम का कहना है कि यह न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकता है। पेड़ों पर तारों से लटके ये पोस्टर और होर्डिंग्स तेज हवाओं या बारिश में गिर सकते हैं, जिससे सड़क पर चलने वाले लोगों की जान को खतरा हो सकता है। इसके अलावा, आवारा पशु भी

इन होर्डिंग्स से घबराकर सड़क पर अनियंत्रित दौड़ सकते हैं, जिससे दुर्घटनाएँ होने की संभावना और बढ़ जाती है।

सड़क सुरक्षा टीम और स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इन अवैध पोस्टरों और विज्ञापनों को हटाया जाए और जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही, पेड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ताकि शहर का पर्यावरणीय संतुलन बना रहे और हरित पट्टियाँ सुरक्षित रहें।

प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि पेड़ों पर कोई भी अवैध गतिविधि न हो और जो लोग इस तरह के पोस्टर लगाकर पेड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएँ। साथ ही, शहर के गड्ढों को ठीक करने और आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए भी त्वरित कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि फरीदाबाद की सड़कों पर फिर से सुरक्षा और सुन्दरता लौट सके।

फरीदाबाद की सड़क सुरक्षा टीम और जागरूक नागरिकों का यह कदम सराहनीय है और हम उम्मीद करते हैं कि प्रशासन जल्द से जल्द इस मुद्दे को सुलझाएगा और शहर को अवैध पोस्टरों से मुक्त करेगा, ताकि पेड़ और पर्यावरण सुरक्षित रहें।

roadsafetysquad@gmail.com

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा: हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य : डॉ.लॉजिस्टिक्स

डॉ. अंकुर शरण

भारत एक विशाल और प्रगतिशील देश है, और यहाँ की सड़कों का नेटवर्क इस विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमारे देश में लगभग 63.32 लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है, जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा है। इस नेटवर्क में 1,46,145 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं, जो हमारे देश के हर कोने को जोड़ने का काम करते हैं।

सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है, और राज्य सरकारें अन्य सभी सड़कों की देखभाल करती हैं। इन सड़कों की लंबाई और गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जा रहा है ताकि देश के हर हिस्से तक सुगम यात्रा सुनिश्चित हो सके। विशेष रूप से, पूर्वोत्तर क्षेत्र, पिछड़े और आंतरिक क्षेत्रों, सीमा सड़कों, तटीय मार्गों, और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मार्गों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हमने लाखों किलोमीटर की सड़कों का निर्माण तो कर लिया है, लेकिन अब समय है कि हम इन सड़कों पर सुरक्षित रूप से यात्रा करें। सड़कें हमारे देश का अभिन्न अंग हैं, और हमें उन्हें सड़क दुर्घटनाओं से कलंकित नहीं होने देना चाहिए।

सड़क सुरक्षा केवल एक सरकारी जिम्मेदारी नहीं है, यह हम सभी का नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। हर बार जब हम सड़क पर कदम रखते हैं, हमें यह समझना चाहिए कि हमारी एक छोटी सी गलती किसी के जीवन को प्रभावित कर सकती है।

यही कारण है कि 'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा' का नारा आज हर भारतीय के दिल में गूंजना चाहिए।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना हमारी ज़िम्मेदारी है। हमें यातायात नियमों का पालन करना चाहिए, गति सीमाओं का ध्यान रखना चाहिए, और हर स्थिति में सड़क पर अनुशासन बनाए रखना चाहिए। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट पहनना, हेलमेट का इस्तेमाल करना, और शराब पीकर गाड़ी न चलाना ऐसे सरल उपाय हैं, जो दुर्घटनाओं को रोकने में सहायक होते हैं।

सड़क दुर्घटनाएं न केवल परिवारों को दुखी करती हैं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति को भी अवरुद्ध करती हैं। एक सुरक्षित यात्रा न केवल हमें अपने गंतव्य तक पहुंचाती है, बल्कि हमें यह गर्व भी देती है कि हमने अपने देश की प्रगति में योगदान दिया है।

रॅपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) और अन्य स्वैच्छिक संगठनों से हमारी यह अपील है कि वे अपने राज्य और क्षेत्र के आसपास कहीं भी यदि सड़क सुरक्षा के प्रति कोई चूक हो रही है, तो उसे तुरंत प्रशासन के संज्ञान में लाएं और उसे सही करने के प्रयास करें। आखिरकार, चाहे हमारे उद्योग हों या नागरिक, अगर वे सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, तो यह केवल हमारे समाज के लिए नहीं, बल्कि हमारे देश के लिए भी एक बड़ी क्षति है।

सड़क सुरक्षा की उपेक्षा न केवल जीवन को खतरे में डालती है, बल्कि हमारे राष्ट्र की प्रगति को भी बाधित करती है। इसीलिए, जरूरी है कि हम सभी आवश्यक मानकों के साथ-साथ जागरूकता अभियानों को बढ़ावा दें। इन अभियानों के माध्यम से, हम अपने समुदाय में सड़क सुरक्षा के महत्व को समझा सकते हैं और लोगों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक कर सकते हैं।

सीएसआर के अंतर्गत कंपनियों को न केवल आर्थिक लाभ पर ध्यान देना चाहिए, बल्कि अपने आस-पास की सड़कों की सुरक्षा, यातायात सुधार, और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह उनकी सामाजिक जिम्मेदारी है कि वे स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन सुनिश्चित करें और इसमें आ रही किसी भी बाधा को तुरंत दूर करने में योगदान दें।

सड़क सुरक्षा केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें हम सभी का दायित्व है। यदि हम जागरूक रहेंगे और अपने आस-पास की स्थितियों को सुधारने में मदद करेंगे, तो हम अपने देश को सड़क दुर्घटनाओं से मुक्त और सुरक्षित बना सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहेंगे और दूसरों को भी इस दिशा में प्रेरित करेंगे। सुरक्षित सड़कें, सुरक्षित भारत।

सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा।

डॉ. अंकुर शरण, लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ
drlogistics.ankur@gmail.com

कामाख्या मंदिर में 3 दिन नहीं होती पुरुषों की एंट्री, जानिए क्यों बंद कर दिए जाते हैं मंदिर के कपाट

कामाख्या देवी मंदिर साल के तीन दिन पुरुषों की एंट्री बैन रहती है। बताया जाता है कि यदि इन तीन दिनों में कोई व्यक्ति मंदिर के अंदर का एक भी अंश देख लेता है, तो यहां के लोग नाराज हो जाते हैं।

असम के गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर के बारे में कौन नहीं जानता है। बता दें कि यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में शुमार है। इस मंदिर को लेकर कई रोचक घटनाएं हैं, जिसको सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। बता दें कि कामाख्या देवी मंदिर में कोई मूर्ति नहीं है। बल्कि इस मंदिर में माता की योनि की पूजा-अर्चना की जाती है। जो हमेशा फूलों से ढकी रहती है। वीहीं इस मंदिर में स्थित कुंड से हमेशा पानी निकलता रहता है।

वहीं इस मंदिर में साल के तीन दिन पुरुषों की एंट्री बैन रहती है। बताया जाता है कि यदि इन तीन दिनों में कोई व्यक्ति मंदिर के अंदर का एक भी अंश देख लेता है, तो यहां के लोग नाराज हो जाते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ऐसा करने से माता का अपमान होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़ी मान्यता और इस अनोखी चीज के बारे में बताने जा रहे हैं।

तीन दिन बंद रहता है मंदिर

बता दें कि 22 से 25 जून के बीच कामाख्या मंदिर के कपाट बंद रहते हैं। इस दौरान ब्रह्मपुत्र नदी का पानी लाल रहता है। मान्यता है कि इन दिनों माता सती रजस्वला में होती हैं। जिस कारण मंदिर में 3 दिन के लिए पुरुषों की एंट्री बंद हो जाती है। वहीं 26 जून से मंदिर के कपाट फिर से भक्तों के लिए खोल दिए जाते हैं।

कामाख्या मंदिर में दर्शन करने आने वाले भक्तों को अनोखा प्रसाद दिया जाता है। माता सती के तीन दिन रजस्वला में रहने के दौरान दरबार में सफेद कपड़ा रखा जाता है, जोकि लाल रंग का हो जाता है। फिर इस कपड़े को भक्तों में प्रसाद की तरह बांट दिया जाता है।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक राजा दक्ष द्वारा एक यज्ञ किया गया था, जिसमें राजा दक्ष ने सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया था। लेकिन दक्ष ने इस यज्ञ में अपनी पुत्री सती और भगवाव शंकर को नहीं बुलाया था। लेकिन सती जिद कर पिता के यज्ञ में पहुंची, जहां पर राजा दक्ष ने शिव का अपमान किया और पति का अपमान सहन न कर पाने के कारण देवी सती ने आत्मदाह कर लिया। जब भगवान शिव को यह पता चलता है तो वह दुखी होकर सती के मृत शरीर को उठाकर पूरे संसार में घूमने लगते हैं।

इस तरह से सृष्टि का संचालन ठगमगाने लगता है। जिस पर जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु अपने सुदर्शन चक्र से माता सती के मृत शरीर के टुकड़े कर देते हैं। यह टुकड़े जिस-जिस स्थान पर गिरते हैं, वहां-वहां पर शक्तिपीठ का निर्माण होता है। असम की इस जगह पर माता सती की योनि का भाग गिरा था। जोकि वर्तमान समय में कामाख्या मंदिर के नाम से जाना जाता है।

मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त अपने जीवन में तीन बार कामाख्या मंदिर के दर्शन के लिए आते हैं, उनको सांसारिक जीवन के दुखों से मुक्ति मिल जाती है। कामाख्या मंदिर तंत्र विद्या के लिए भी काफी फेमस है। यही वजह है कि मंदिर के कपाट खुलने के बाद दूर-दूर से साधु और संत तंत्र क्रिया के लिए मंदिर पहुंचते हैं।

कब और कैसे जाएं मंदिर

बता दें कि सितंबर से लेकर फरवरी तक का समय कामाख्या देवी मंदिर जाने का सबसे अच्छा होता है। इस दौरान ठंड का मौसम घूमने-फिरने के लिहाज से काफी अच्छा होता है। आमतौर पर सितंबर से फरवरी के समय का तापमान 15 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है। ऐसे में आप सुहावने मौसम में आराम से घूमफिर सकते हैं।

कामाख्या मंदिर गुवाहाटी में स्थित है। ऐसे में आप फ्लाइट से गुवाहाटी एयरपोर्ट पहुंचे और फिर ऑटो या टैक्सी के जरिए सीधे कामाख्या मंदिर पहुंच जाएं।

वहीं अगर आप रेलमार्ग से यहां आना चाहते हैं, तो आप गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे और फिर टैक्सी, ऑटो रिक्शा या बस के जरिए मंदिर तक पहुंच सकते हैं।

अगर आप गुवाहाटी में ही हैं, तो आप बस, टैक्सी या ऑटो के जरिए मंदिर पहुंच सकते हैं। गुवाहाटी से कामाख्या मंदिर की दूरी करीब 8 किमी है।

अनजानेमें अगर आप ने भी चर्बी युक्त लड्डू खाएं हैं तो पश्चाताप कर लीजिए क्योकि सरकारें तो कभी करेगी नहीं

देश में भगवान के नाम पर राजनीति सब करते हैं, लेकिन सिवाय गरीबों के भगवान से कोई नहीं डरता

मुनाफे के लिए देश को बेचने और बीमार बनाने की हद तक गिर सकते हैं हमारे भारत के लालची लोग

हमारे भारत के लालची लोग मुनाफे के लिए न शुद्धता देखते हैं और न भगवान से डरते है, इंसान से तो डरने का सवाल ही नहीं उठता

क्रलमकार। लाभ कमाने कि लिए हमारे भारत के कुछ लालची लोग किस हद तक गिर सकते हैं, ये तिरुपति कि प्रसादम में मिलावट की इस घटना से जाहिर होता है। हमारे भारत के कुछ लालची लोग मुनाफे के लिए न शुद्धता देखते हैं और न भगवान से डरते है। इंसान से तो डरने का सवाल ही नहीं उठता।

अब ये लड्डू किस-किसने खाये, राम ही जानें ? भगवान वेंकटेश्वर सबकी रक्षा करें। आप भी प्रसादम पाकर अपने कल्याण का भाव छोड़ दें तो इस जाने-अनजाने पाप से बच सकते है। अब यदि अनजाने में आपने भी ये प्रसादम खाया हो तो पश्चाताप कर लीजिए क्योंकि करोड़ों लोगों का धर्म भ्रष्ट करने वाली हमारी सरकारें तो कभी भी पश्चाताप करतीं नहीं हैं फिर चाहे वो किसी की भी सरकार हो। क्योकि सरकारों का काम तो सिर्फ मुनाफा कामना होता है।

वैसे हमारे देश में खाद्य पदार्थों में देशी घी के नाम पर चर्बी परोसे जाने का काम युगों से चल रहा है। चॉकलेट हो या बिस्कुट, केक हो या आइसक्रीम, नमकीन हो या मिठाई सभी में देशी घी के नाम पर चर्बी धड़ल्ले से मिलाई जा रही है, क्योंकि इस देश में भगवान के नाम पर राजनीति सब करते हैं, लेकिन सिवाय गरीबों के भगवान से डरता कोई नहीं है। खाने की चीजों में मिलावट कर लाभ कमाने बाले हमारे भारत के कुछ लालची लोग देश को बेचने और बीमार बनाने की हद तक गिर सकते हैं।

शाम की चाय के बाद फेस पर लगाएं ये खास स्क्रब, लोग देखते रह जाएंगे निखार

शाम की चाय पीने के बाद आप इस पाउडर को फेस पर अप्लाई कर सकते हैं। ऐसे में जब आप इसके इस्तेमाल के बाद आप बाहर घूमने या फिर इवनिंग वॉक पर जाती हैं, तो हर कोई आपको देखता रह जाएगा।

अक्सर आपके साथ भी ऐसा होता होगा कि दिन भर के कामों के बाद शाम तक फेस की चमक फीकी पड़ जाती है। शाम आते-आते फेस पर 12 बज जाते हैं और ऐसा लगता है हफ्तों से नींद पूरी न हुई हो। लेकिन अगर आप सुबह से लेकर शाम तक फेस की चमक बरकरार रखना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक खास पाउडर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दिनभर की थकान को दूर कर आपके फेस पर कमाल का निखार लाने में सहायता करेगा।

आप इस खास पाउडर को कई तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। शाम की चाय पीने के बाद आप इस पाउडर को फेस पर अप्लाई कर सकते हैं। ऐसे में जब आप इसके इस्तेमाल के बाद आप बाहर घूमने या फिर इवनिंग वॉक पर जाती हैं, तो हर कोई आपको देखता रह जाएगा। तो आइए जानते इसको इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में...

चीनी का बूरा

यह कोई और पाउडर नहीं बल्कि चीनी का बूरा है, जो खाने में मिठास लाने का काम करता है। फेस पर चीनी का बूरा इस्तेमाल करने से फेस को तमाम फायदे मिलते हैं। चीनी हमारी स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करती है और चेहरे पर निखार लाने का काम करती है। आइए जानते हैं चीनी के बुरादे को फेस पर कैसे इस्तेमाल किया जाता है।

इस्तेमाल करने के फायदे

फेस पर चीनी का इस्तेमाल करने से डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने में सहायता मिलती है।

फेस पर चीनी का स्क्रब करने के 5 मिनट बाद फेस धोने से फेस पर हीरे जैसा निखार मिलता है।

यह एक नेचुरल रेमेडी है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।

फेस के दाग-धब्बों को ठीक करने और एजिंग साइन को कम करने के लिए चीनी का इस्तेमाल फायदेमंद होता है।

अगर आप अपने फेस पर इंस्टेंट ग्लो चाहती हैं, तो आप चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

चीनी स्किन को गहराई से साफ कर रंगत को बढ़ाने का काम करती है।

स्क्रब

अगर आपके नाक और ठुड्डी के पास ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्स हैं। या फिर डेड स्किन जमा हो गई है, तो चीनी के बूरा का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसको दो तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं। पहला तरीका कि आप चीनी के बूरे से फेस पर हाथों को गीला कर हल्के-हल्के स्क्रब कर सकती हैं।

दूसरा तरीका है कि आप 1 चम्मच चीनी के बूरा में 1 चम्मच शहद मिक्स कर दें। फिर फेस पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। यह तरीका आपके फेस के सारे ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्स को निकाल देगा।

दही और नींबू के साथ

अगर आपके फेस पर दाग-धब्बे हैं, तो इन्हें कम करने के लिए 1 चम्मच दही में आधा चम्मच चीनी का बूरा और आधा चम्मच नींबू का रस मिक्स कर फेस पर अप्लाई करें। यह आपके फेस को ठंडक देने के साथ एक्ने से भी राहत दिलाने में आपकी मदद करेगा। आप सप्ताह में दो से तीन बार इस नुस्खे को अपना सकती हैं। यह नुस्खा फेस पर ग्लो लाने में मदद करता है।

नारियल के तेल से मसाज

अगर आप भी नारियल तेल से अपने फेस की मसाज करते हैं, तो यह आपकी स्किन टोन को मेंटेन करने के साथ फेस मसल को एक्टिवेट करता है। वहीं जैतून का तेल भी फेस पर ग्लो लाने का काम करता है। इसके लिए आधा चम्मच चीनी के बूरा में 1 चम्मच जैतून का तेल मिक्स कर इसे फेस पर अप्लाई करें। यह आपके चेहरे की सारी गंदगी को निकाल देगा और आपके फेस को खूबसूरत निखार देने में मदद करेगा।

तेजी से बढ़ रहा ओटीपी औरकेवाईसी का फ्रॉड, एक भी गलती पड़ सकती है भारी, खुद को इस तरह रखे सेफ

ओटीपी फ्रॉड्स में बहुत लोग फंस रहे हैं वह भी सिर्फ छोटी सी गलती के कारण, अगर आप इससे खुद को सेफ रखना चाहते हैं तो कुछ जरूरी चीजों का ध्यान रखना बहुत जरुरी है। टोल फ्री नंबर पर भरोसा न करें। क्योंकि कई बार ऐसे नंबर से कॉल आते हैं, इन पर कॉल करने वाला खुद को बैंक या किसी और सरकारी संस्था से जुड़ा बताता है।

ऑनलाइन होने वाले फ्रॉड और ठगी के मामले आए दिन बढ़ रहे हैं। इसकी वजहें-जैसे हमारी पर्सनल जानकारी ठगों के पास पहुंच जाना। किसी के साथ बिना वजह जाने ओटीपी शेयर कर देना। ऐसे में खुद सेफ रखना एक बड़ी चुनौती है खासकर फेस्टिव सीजन में। क्योंकि इस सीजन में ठग ज्यादा एक्टिव रहते हैं और भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बनाने के लिए नए-नए तिकड़म खोजते रहते हैं। ओटीपी और केवाईसी फ्रॉड से खुद को सेफ रखने के लिए आपको कुछ बुनियादी चीजों का ध्यान रखना चाहिए।

OTP फ्रॉड में फंस रहे लोग

ओटीपी फ्रॉड्स में बहुत लोग फंस रहे हैं वह भी सिर्फ छोटी सी गलती के कारण, अगर आप इससे खुद को सेफ रखना चाहते हैं तो कुछ जरूरी चीजों का ध्यान रखना बहुत जरुरी है।

टोल फ्री नंबर पर भरोसा न करें। क्योंकि कई बार ऐसे नंबर से कॉल आते हैं, इन पर कॉल करने वाला खुद को बैंक या किसी और सरकारी संस्था से जुड़ा बताता है।

किसी के साथ भी ओटीटी और सीवीवी डिटेल ने शेयर करें, खासकर जो खुद को बैंक से जुड़ा हुआ बताए।

कॉल पर भरोसा करने पर पहले उस नंबर की विश्वसनियता को जरूर चेक कर लें। जिससे फ्रॉड के चांस कम रहें।

अगर कोई फेस्टिव सेल में कैशबैक या रिवॉर्ड का लालच दे और ओटीपी मांगे तो ऐसा न करें।

KYC से ऐसे बचें

बैंक की तरफ से केवाईसी पूरा करने के लिए कभी भी आपकी निजी जानकारी नहीं मांगी जाती है। अगर किसी ग्राहक को KYC प्रोसेस पूरा करवाना होता है। उसे बैंक ही जाना पड़ता है। इसलिए आपको कभी अपनी पर्सनल डिटेल यहां शेयर नहीं करनी चाहिए।

मेल और मैसेज को अच्छे से चेक करें, क्योंकि फर्जी और फेक मैसेज में कई स्पैलिंग गलत लिखी होती हैं। वॉट्सऐप आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। कुछ भी स्पीशीयस होने की स्थिति में उसे तुरंत ब्लॉक और रिपोर्ट करें।

सूर्य ग्रहण के दिन शुरु होगी नवरात्रि, इन राशियों की होगी बल्ले-बल्ले

हिंदू धर्म में नवरात्रि पर्व को बेहद खास माना जाता है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 3 अक्टूबर से हो रही है। माना जा रहा है कि साल का आखिरी सूर्य ग्रहण नवरात्रि के पहले दिन लगने जा रहा है। ऐसे में इन राशियों की होगी बल्ले-बल्ले। आइए जानते हैं कौन-सी हैं ये राशियां।

इस बार शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 3 अक्टूबर 2024 हो रही हैं और इसका समापन 12 अक्टूबर 2024 को हो रहा है। सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है। नवरात्रि का पर्व 9 दिन मनाया जाता है। नौ दिनों तक मां के 9 स्वरुपों की पूजा की जाती है। इस बार शारदीय नवरात्रि के पहले दिन साल का आखिरी सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। सूर्य ग्रहण इस बार 2 अक्टूर की रात 9.13 मिनट पर लगेगा और इसका समापन मध्यरात्रि 3.17 बजे तक रहेगा।

सूर्य ग्रहण का प्रभाव नवरात्रि पर होगा या नहीं ?

ज्योतिष के अनुसार, सूर्य ग्रहण का नवरात्रि पर बिल्कुल असर नहीं पड़ेगा। नवरात्रि के शुभ दिन पर आप सही तरीके से घटस्थापना कर सकते हैं। वो इसलिए सूर्य ग्रहण का समापन मध्यरात्रि में 3.17 पर होगा और जिसके कारण नवरात्रि पर ग्रहण का असर नहीं होगा। इसके साथ ही शुभ कार्य भी किए जाएंगे। ज्योतिष के अनुसार, शारदीय नवरात्रि पर कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ मानी जा रही है।

वृषभ राशि

शारदीय नवरात्रि के वृषभ राशि के जातकों को आर्थिक लाभ पहुंचा सकते है। इस दौरान मां दुर्गा के आशीवार्द से वृषभ राशि के जातकों के रुके हुए कार्य पूरे होंगे और हेल्थ भी पहले से बेहतर होगी।

वृश्चिक राशि

शारदीय नवरात्रि के दौरान वृश्चिक राशि के जातकों के लिए काफी शुभ मानी जा रही है। छात्रों को परीक्षा में लाभ होगा। नौकरी करने वाले लोगों को प्रमोशन प्राप्त हो सकता है। बिजनेस में भी फायदा होगा। इसके साथ ही आपका मन प्रसन्न रहेगा और धन लाभ भी होगा।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के लोगों के लिए शारदीय नवरात्रि बेहद शुभ माना जाता है। अगर आप नई नौकरी के तलाश में हैं तो बहुत ही जल्द आपको नई नौकरी मिल जाएगी। पढ़ाई करने वाले छात्रों को सफलता प्राप्त होगा। आपका मन प्रसन्न रहेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

'BJP का षडयंत्र कामयाब नहीं होने देंगे', CM बनने के बाद आतिशी ने बताई सरकार की प्राथमिकता

सुषमा रानी

आतिशी ने सीएम बनते ही पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों की जिंदगी बदल दी है लेकिन भाजपा को यह पसंद नहीं आया और उन्हें जेल में डाल दिया गया। अब केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं और उन्होंने फिर से मुख्यमंत्री का काम संभालने की जगह जनता की अदालत में जाना बेहतर समझा है।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद आतिशी ने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों की जिंदगी बदल दी है। मगर भाजपा वालों को यह पसंद नही आया, केजरीवाल को जेल में डाल दिया गया।

आतिशी ने कहा कि केजरीवाल जब जेल से बाहर आए हैं तब उन्होंने फिर से मुख्यमंत्री का काम संभालने की जगह जनता की अदालत में जाना बेहतर माना है। आने वाले 4 माह बाद चुनाव होने हैं आप सभी को केजरीवाल को फिर से भारी बहुम से मुख्यमंत्री बनाना है।

आतिशी ने कहा कि मैं दिल्ली के काम नही रुकने दूंगी। अरविंद केजरीवाल अब जेल से बाहर आ गए हैं। मैं उनके मार्गदर्शन में दिल्ली की जनता के सभी रुके हुए काम कराने की कोशिश करूंगी।

केजरीवाल को तोड़ने की काफी कोशिश हुई: आतिशी

भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ षडयंत्र रचा। उनपर झूठे मुकदमें चलाकर उन्हें गिरफ्तार किया। उन्हें छह महीने से ज्यादा जेल में रखा। उन्हें तोड़ने की कोशिश की गई। लेकिन वे टूटे नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक ऐसे मामले में जमानत दी, जिसमें जमानत मिलना मुश्किल होता है।

दुर्भावना के तहत हुई केजरीवाल की गिरफ्तारी: आतिशी

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी को संदेश दिया कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी एक दुर्भावना के तहत हुई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की एजेंसियां पिंजड़े में बंद तोते की तरह है जो सिर्फ अपनी मालिक की बात सुनता है। अगर कोई और नेता होता तो वह तुरंत सीएम की कुर्सी पर बैठ जाता, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने भारतीय राजनीति में ईमानदारी और नैतिकता की मिसाल पेश की है।

बीजेपी का षडयंत्र होंगे नाकाम: आतिशी

आतिशी ने कहा कि अब विधानसभा चुनावों तक मेरा यही काम रहेगा कि BJP की साजिशों और उनके LG साहब की वजह से जो काम रूके, उन्हें पूरा कराया जाए। BJP और उनके LG साहब ने दिल्लीवालों को परेशान किया लेकिन अब केजरीवाल जी बाहर आ गए हैं, अब BJP के सभी षड्यंत्र नाकाम होंगे।

आतिशी के सामने कई चुनौतियां, केजरीवाल स्टाइल में चलेंगी तो होगा LG से टकराव; कैसे चलाएंगी सरकार?

आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने से लंबित परियोजनाओं में तेजी आने की संभावना है। उन्हें शहर की सरकार के कामकाज में तेजी लाने और फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रमुख परियोजनाओं और योजनाओं को पटरी पर लाने के लिए काम करना होगा। आतिशी को मुख्यमंत्री बनने के बाद अब अपने छोटे से कार्यकाल के दौरान बहुत सी समस्याओं से निपटना होगा

नई दिल्ली। *आतिशी के सीएम बनने से लंबित परियोजनाओं में तेजी आने की संभावना है। आतिशी को शहर की सरकार के कामकाज में तेजी लाने और फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रमुख परियोजनाओं और योजनाओं को पटरी पर लाने के लिए काम करना होगा। आप सरकार का कामकाज पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पांच महीने के कारावास के कारण प्रभावित हुआ है। आतिशी को मुख्यमंत्री बनने के बाद अब अपने छोटे से कार्यकाल के दौरान बहुत सी समस्याओं से निपटना होगा, उन्हें 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' के तहत दिल्ली में पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये मानदेय देने के केजरीवाल के वादे को लागू करना सुनिश्चित करना होगा। यह महात्वाकांक्षी योजना लागू करना भी उनके लिए एक चुनौती होगी।*

आने वाले समय को ध्यान में रखते हुए आतिशी ने अपने गुरु केजरीवाल को बड़ी जिम्मेदारी के लिए धन्यवाद देते हुए यह जरूर कहा है कि वह उनके मार्गदर्शन में सरकार चलाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा है कि वह दिल्ली के लोगों के हितों की रक्षा करेंगी। मगर राजनीतिक जानकारों की मानें तो आतिशी सरकार में काम कराना भी प्राथमिकता होगी, इसके लिए उन्हें सरकार की पूर्व की स्टाइल बदलनी पड़ेगी। अगर वह केजरीवाल की स्टाइल में अपना काम जारी रखेंगी तो टकराव होगा, जिससे काम नही हो सकेगा। उनकी मानें तो टकराव में भी कई बार राजनीतिक दलों को लाभ होता है तो कई बार नुकसान भी हो जाता है। ऐसे में आप सरकार शायद इस तरह की प्रक्रिया नही ही अपनाए।

ईमानदारी और नैतिकता की मिसाल केजरीवाल: आतिशी

उन्होंने कहा कि केजरीवाल जी ने राजनीति में नैतिकता और ईमानदारी की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि उनके लिए अदालत का फ़ैसला काफी नहीं है, वो तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे जब तक जनता की अदालत का फ़ैसला नहीं आ जाता। फरवरी में चुनाव हैं। अगर दिल्ली की 2 करोड़ जनता ने अरविंद केजरीवाल जी को अपना मुख्यमंत्री नहीं चुना तो BJP उनकी मुफ्त बिजली बंद कर देगी, मुफ्त इलाज और महिलाओं का मुफ्त बस सफर बंद कर देगी।

अपने बड़े भाई और राजनैतिक गुरु का शुक्रिया: आतिशी

उन्होंने कहा कि मैं अपने बड़े भाई और राजनैतिक गुरु अरविंद केजरीवाल जी का शुक्रिया अदा करती हूं कि उन्होंने मुझे दिल्ली के लोगों की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी है। अरविंद केजरीवाल जी वो व्यक्ति हैं जिन्होंने लाखों बच्चों का भविष्य संवारा, महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर देने के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी, दिल्ली के लोगों को मुफ्त बिजली दी, लोगों को अपने परिवार के किसी सदस्य के लिए अपना घर, जमीन गिरवी ना रखनी पड़े इसके लिए मुफ्त इलाज की सुविधा दी।

दिल्ली सरकार का 'आतिशी' पारी खेलने में साथ देंगे ये मंत्री

दिल्ली की नई सरकार का गठन हो गया है। आतिशी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उनके साथ ही पांच आप विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। इस बार दिल्ली कैबिनेट में एक नए चेहरा शामिल हुआ है। बाकी चारों मंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार में भी मंत्री रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने 17 सितंबर को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

नई दिल्ली। दिल्ली कैबिनेट में पांच आप विधायकों को जगह मिली हैं, इनमें सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, इमरान हुसैन, मुकेश अहलावत और कैलाश गहलोत शामिल हैं। यह सभी मुख्यमंत्री आतिशी की सरकार का हिस्सा होंगे। आतिशी के शपथ लेने के बाद इन सभी ने मंत्री पद की शपथ ली है।

इस बार दिल्ली की आप सरकार में मुकेश अहलावत नया चेहरा हैं। बाकी सभी नेता केजरीवाल की कैबिनेट में हिस्सा रहे हैं।

यहां जानिए पांचों मंत्रियों के बारे में, जो सीएम आतिशी की कैबिनेट का होंगे हिस्सा-

कैलाश गहलोत

कैलाश गहलोत ने 2015 में आम आदमी पार्टी ज्वाइन की और फरवरी 2015 में नजफगढ़ विधानसभा से चुनाव जीता था। 2017 में वो पहली बार दिल्ली सरकर में कैबिनेट मंत्री बने। 2020 में भी इसी सीट से विधायक चुने गए। वर्ष 2023 में अभी तक वो प्रशासनिक सुधार, परिवहन, राजस्व, कानून, न्याय और विधायी मामले, महिला एवं बाल विकास और सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री थे।

कैलाश गहलोत का जन्म नजफगढ़ के मित्राऊं गांव में 22 जुलाई 1974 को हुआ था। उनका परिवार नौ पीढ़ियों से अधिक समय से रह रहा है और क्षेत्र के लोगों के लिए काम कर रहा है। कैलाश गहलोत सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में 16 साल से ज्यादा वकालत कर चुके हैं। 2005-2007 के दौरान गहलोत को दिल्ली हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन में सदस्य कार्यकारी के रूप में चुना गया था।

सौरभ भारद्वाज

सौरभ भारद्वाज भी आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। वो फिलहाल ग्रेटर कैलाश विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह 9 मार्च 2023 से दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष और स्वास्थ्य, शहरी विकास और जल मंत्री थे। 8 अगस्त 2023 को उनसे उनका पद छीन लिया गया और उनके मंत्रालय पीडब्ल्यूडी प्रमुख आतिशी को दे दिए गए। वह आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता भी हैं। भारद्वाज 28 दिसंबर 2013 से 14 फरवरी 2014 के बीच 49 दिनों के कार्यकाल के दौरान अरविंद केजरीवाल सरकार में कैबिनेट मंत्री थे।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

सौरभ भारद्वाज का जन्म 12 दिसंबर 1979 को नई दिल्ली में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा शहर से पूरी की। उन्होंने 2003 में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से संबद्ध भारती विद्यापीठ के इंजीनियरिंग कॉलेज से कंप्यूटर साइंस इंजीनियर के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 2011 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक की डिग्री भी पूरी की है। राजनीति में प्रवेश करने से पहले, भारद्वाज ने जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया के साथ काम किया और उनकी विशेषज्ञता माइक्रोचिप्स और कोडिंग में थी। भारद्वाज ने अपने करियर की शुरुआत इनवेनसिस में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में की।

राजनीतिक करियर

सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और मौजूदा विपक्ष के नेता वी.के. के बेटे अजय कुमार मल्होत्रा को हराकर ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र जीता। मल्होत्रा, 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में 13092 वोटों से। 2015 में युवा आप नेता ने बीजेपी के राकेश गुलिया को 14,583 वोटों से हराया था. भारद्वाज 28 दिसंबर 2013 से 14 फरवरी 2014 के बीच 49 दिनों के कार्यकाल के दौरान अरविंद केजरीवाल सरकार में कैबिनेट मंत्री थे।

मुकेश अहलावत

48 वर्षीय दलित नेता मुकेश अहलावत आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद के इस्तीफे से खाली हुई जगह को भरने के लिए कैबिनेट में शामिल किया गया है। आनंद ने अप्रैल में केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

राजस्थान इकाई के सह-प्रभारी भी हैं अहलावत

अहलावत वर्तमान में पार्टी की राजस्थान इकाई के सह-प्रभारी हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में उन्होंने भाजपा के राम चंद्र चावरिया को 48,042 मतों के अंतर से हराकर सुल्तानपुर माजरा निर्वाचन क्षेत्र में आप को जीत दिलाई थी। पेशे से अहलावत खुद को एक व्यवसायी बताते हैं। 9 नवंबर 1975 को जन्मे अहलावत ने 1994 में रवींद्र पब्लिक स्कूल से 12वीं तक की शिक्षा पूरी की।

2013 में कांग्रेस उम्मीदवार से हारे थे अहलावत

आप में शामिल होने से पहले, उन्होंने 2013 में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) से चुनाव लड़ा था, लेकिन कांग्रेस के जय किशन से हार गए थे। उपनगरीय विधानसभा सीट सुल्तानपुर माजरा उत्तर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। आतिशी और उनकी नई कैबिनेट 21 सितंबर को पद की शपथ लेने वाली है। हालांकि, उनका कार्यकाल संक्षिप्त होगा, क्योंकि अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव होने हैं।

गोपाल राय

गोपाल राय बाबरपुर विधानसभा से विधायक हैं। अभी ग्रामीण विकास, सामान्य प्रशासन विभाग, पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग के कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यरत थे। वे दिल्ली में आम आदमी पार्टी के संयोजक के रूप में भी कार्य करते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अपने छात्र जीवन के दौरान गोपाल राय ने कॉलेज परिसरों में भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लिया। गोपाल राय मई 2017 में दिल्ली संयोजक के रूप में नियुक्त हुए। उन्होंने ने दिल्ली में संगठनात्मक सुधारों की शुरुआत की, जिससे आम आदमी पार्टी के विकास में योगदान मिला।

गोपाल राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। उनकी यात्रा दिल्ली के निवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लचीलापन और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इमरान हुसैन

उन्होंने पीक ऑवर्स के दौरान ट्रकों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने, थर्मल प्लांट बंद करने और 2017 से वाहनों के उत्सर्जन के लिए यूरो VI मानकों को अनिवार्य करने जैसे उपायों को लागू किया। उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए कई कदम भी उठाए थे। इमरान हुसैन ने जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली से बिजनेस स्टडीज में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

कार्य आवंटन नियम, 1993 के नियम 3 के अंतर्गत मंत्रिपरिषद को निम्नलिखित विभाग आवंटित करने का प्रस्ताव है:

क्र.सं. / मंत्री का नाम / पोर्टफोलियो

1. आतिशी मुख्यमंत्री पोर्टफोलियो
1. लोक निर्माण विभाग
2. शक्ति
3. शिक्षा
4. उच्च शिक्षा
5. प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा
6. जनसंपर्क विभाग
7. राजस्व
8. वित्त
9. योजना
10. सेवाएं
11. सतर्कता
12. जल
13. विधि, न्याय और विधायी मामले मंत्री तथा अन्य सभी विभाग जो विशेष रूप से किसी को आवंटित नहीं किए गए हैं

2. सौरभ भारद्वाज, पोर्टफोलियो
1. शहरी विकास
2. सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण
3. स्वास्थ्य
4. उद्योग
5. कला, संस्कृति और भाषा
6. पर्यटन
7. सामाजिक कल्याण
8. सहकारी

3. गोपाल राय पोर्टफोलियो
1. विकास
2. सामान्य प्रशासन विभाग
3. पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवन

4. कैलाश गहलोत पोर्टफोलियो
1. परिवहन
2. प्रशासनिक सुधार
3. सूचना एवं प्रौद्योगिकी
4. घर
5. महिला एवं बाल विकास

5. इमरान हुसैन पोर्टफोलियो
1. खाद्य एवं आपूर्ति
2. चुनाव

6. मुकेश अहलावत पोर्टफोलियो
1. गुरुद्वारा चुनाव
2. एससी और एसटी
3. भूमि एवं भवन
4. श्रम
5. रोजगार

कवि व समीक्षक संजय एम. तराणेकर की क़लम से :-

श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति की सृजन विविधा सम्पन्न हुई....

इन्दौर, श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति के साप्ताहिक आयोजन सृजन विविधा का आयोजन सम्पन्न हुआ। पहली बार इस कार्यक्रम में सम्मिलित कवि व समीक्षक संजय एम. तराणेकर ने बताया कि "इक जमीं पर आसमानी इश्क खुशबुओं की राजधानी इश्क" इस बार सृजन विविधा की

शुरुआत करते हुए शीतल देवयानी ने यह खूबसूरत गजल पढ़कर कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। कीर्ति मेहता ने भी "प्रेम के धागे बुने जो तुम पिया चटका गए" कुहासा शीर्षक से गीत पढ कर कार्यक्रम को बड़ी खूबसूरती से आगे बढ़ाया। दिलीप नीमा ने व्यंग्य" रचना छपी ,बढ़िया,काय पै लिखी है"। दिनेश तिवारी "उपवन" ने "मेरी जिंदगी पराई धरोहर सी है" दार्शनिक रचना पढ़ी ,शीला चंदन ने "तू इंसान है तो बस इंसान बनकर देख.." संजय एम. तराणेकर ने "हे द्रौपदी तुझे तो कोई छू भी नहीं सकता" जैसी अलग तेवर की भावपूर्ण रचना पढ़ीं। मातृभाषा उन्नयन संस्थान के अध्यक्ष डॉ.अर्पण जैन 'अविचल' ने रचनाओं की समीक्षा की और निमाड़ी कविता सुनाई। डॉ. आरती दुबे ने निमाड़ी संजा गीत सुनाया। किशोर यादव, मदन लाल अग्रवाल, अरविंद जोशी, संजय मोठ ने भी रचनाएँ सुनाईं। कार्यक्रम में प्रकाश जैन, विजय खंडेलवाल, अमर सिंह आदि बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन समिति की साहित्य मंत्री डॉ. पद्मासिंह ने किया और अंत में आभार अर्थ मंत्री राजेश शर्मा ने व्यक्त किया।

भारत के इतिहास में ये सभी नारी शक्ति रही हैं मुख्यमंत्री

भारत के इतिहास में सभी महिला मुख्यमंत्रियों की सूची इस प्रकार है:

सुचेता कृपलानी: स्वतंत्र भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री, कृपलानी ने 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सरकार का नेतृत्व किया। **नंदिनी सत्पथी:** किसी भारतीय राज्य की दूसरी महिला मुख्यमंत्री। इन कांग्रेस नेता ने 1972 से 1976 तक ओडिशा का शासन संभाला था। उनका कार्यकाल 1975 में आपातकाल की घोषणा समकालीन था। **शशिकला काकोडकर:** महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी की नेता काकोडकर 1973 से 1979 तक दो बार गोवा, दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं। गोवा को 1987 में राज्य का दर्जा मिला, जबकि दमन और दीव केंद्र शासित प्रदेश बना रहा। **अनवरा तैमूर:** किसी भारतीय राज्य की पहली मुस्लिम महिला मुख्यमंत्री, उन्होंने 1980 से 1981 तक असम में कांग्रेस सरकार का नेतृत्व किया। **वी एन जानकी रामचंद्रन:** अभिनेत्री से नेता बनीं वी एन जानकी रामचंद्रन तमिलनाडु की पहली महिला मुख्यमंत्री होने के अलावा भारत में यह पद संभालने वाली पहली फिल्म कलाकार भी थीं। अपने पति एम जी रामचंद्रन की मृत्यु के बाद 1988 में वह 23 दिनों तक मुख्यमंत्री रहीं। **जे जयललिता:** अभिनय से राजनीति में कदम रखने वालीं अन्य अभिनेत्री, जयललिता ने छह कार्यकालों में 14 वर्षों से अधिक समय तक तमिलनाडु की मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। **मायावती:** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो ने कुल मिलाकर सात वर्षों तक चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। **राजिंदर कौर भट्टल:** पंजाब की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री के रूप में इन कांग्रेस नेता का कार्यकाल 1996 से 1997 तक रहा। **राबड़ी देवी:** 1997 में अपने पति लालू प्रसाद यादव के जेल जाने के बाद सत्ता की बागडोर संभालने वाली वह बिहार की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं। **सुषमा स्वराज:** दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री के तौर पर इन भाजपा नेता का 1998 में 52 दिनों का संक्षिप्त कार्यकाल था। **शीला दीक्षित:** दिल्ली की सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाली वरिष्ठ कांग्रेस नेता नेता। वह 1998 से 2013 तक 15 वर्षों तक इस पद पर रहीं। **उमा भारती:** राम जन्मभूमि आंदोलन की नेता, वह 2003 से 2004 तक मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं। **वसुंधरा राजे:** ग्वालियर के महाराजा विजयाराजे सिंधिया-शिंदे और जीवाजीराव सिंधिया-शिंदे की बेटी, उन्होंने 10 साल तक राजस्थान की मुख्यमंत्री के रूप में शासन किया। **ममता बनर्जी:** पश्चिम बंगाल की मौजूदा मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो 2011 में सत्ता संभालने के बाद से लगातार तीसरे कार्यकाल में हैं। **आनंदीबेन पटेल:** गुजरात की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री, उन्होंने नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पदभार संभाला। उनका कार्यकाल 2014 से 2016 तक रहा। **महबूबा मुफ़्ती:** पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता जम्मू-कश्मीर की पहली महिला मुख्यमंत्री थीं। वह तत्कालीन राज्य की अंतिम मुख्यमंत्री भी थीं।

ज्ञान रूपी गंगा से झोली भर लो -संदीप मारवाह

सुषमा रानी

नोएडा स्थित मारवाह स्टूडियोज के चेयरमैन व महोत्सव अध्यक्ष संदीप मारवाह ने 10 वां ग्लोबल लिटरेरी फेस्टिवल के तीसरे और अंतिम दिन सेमिनार का आयोजन किया जिसका विषय था पुस्तकों के प्रकाशन और अनुवाद में क्या मुद्दे हैं इस संगोष्ठी में प्रसिद्ध लेखक विवेक मिश्रा, प्रसिद्ध प्रकाशक अनिल वर्मा, कवयित्री रुचि शर्मा कपूर, सहायक निदेशक राजभाषा विभाग रघुबीर शर्मा, फिल्म भूतनाथ लेखक/निर्देशक विवेक शर्मा भारती एस प्रधान ने भाग लिया। संदीप मारवाह ने सभागार को सम्बोधित करते हुए कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो परिश्रम से, जीवन की बाधाओं से नहीं डरते केवल प्रयास करते रहते है जो अपनी मेहनत से ईश्वर को भी मजबूर होना पड़े आपको सफलता देने में, इसके लिए मेरे छात्रों बस आपको आपके गुरु क्या कहते है उसको सुनना है ज्ञान जहां से मिले ले लेना है इन तीन दिनों में आपने जितना ज्ञान लिया वो तो आपको पता है पर इस ज्ञान रूपी गंगा से मेरी तो झोली भर गई है। इस अवसर पर रुचि शर्मा ने बताया कि हम जिस भाषा में सोचते है उसी भाषा में जब लिखते है वह लेखन लोगो को छू जाता है, रघुबीर शर्मा ने कहा जब हम किताब लिखता है तो उस समय मन में कई विचार चलते रहते है नए लेखक के लिए ये चैलेंज होता है क्या हमारी किताब लोगो को पसंद आएगी है नए विचार होंगे तो निश्चित ही पाठकों पर असर डालेगी, अनिल वर्मा ने कहा प्रकाशक को कई परेशानी आती है जब लेखक लिखता है तब टाइपिंग, प्रिंटिंग, गूगल ट्रांसलेशन बहुत गलत होता है अर्थ का अनर्थ कर देता है। लोकसभा सांसद जगन्नाथ सरकार ने कहा लेखन की आत्मा को समझना जरूरी है जो गूगल नहीं समझ सकता, विवेक मिश्रा, ये संस्थान एक परिवार की तरह है लेखक की शुरुआत अपने भावों को भीतर से बाहर लाना है अच्छा और सच्चा लेखन है. युवाओं को पढ़ने का माध्यम ऑनलाइन पब्लिकेशन अब बड़ा रूप धारण कर चुका है लोग मैं अब पढ़ने की रुचि बड़ी है आजकल सेल्फ पब्लिकेशन बड़ा है ब्लॉग के माध्यम से आप अपने विचार दूसरों तक पहुंचा सकते है रघुबीर शर्मा ने कहा एक अच्छे अनुवादक की जरूरत हमेशा होती है विवेक शर्मा ने कहा कि साहित्य यानि का सबका हित करता है मैं फिल्मों से जुड़ा हूँ जहाँ की कहानियों में साहित्य होता ही नहीं है. कला और संस्कृति के प्रचार के लिए 7 वें अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय पुरस्कार से बुद्धिनाथ मिश्रा, लेखक और संगीत कवि प्रो. पूरनचंद टंडन, लेखक (हिंदी), करुणेश शर्मा,पद्मश्री से सम्मानित क निपुण नृत्यांगना रीता गांगुली, प्रसिद्ध तबला वादक पं. राम कुमार मिश्रा, अध्यक्ष बीएमडीसी प्रो. डॉ. अरविंद आलोक, प्रसिद्ध फोटोग्राफर डॉ. भूपेश चंद्र लिटिल, विचित्र वीणा वादक डॉ. मुस्तफा रजा, व प्रसिद्ध चित्रकार तपन दास को पुरस्कृत किया इस अवसर पर मारवाह स्टूडियोज के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

जीडीए की लगी लॉटरी, 15 लाख का प्लॉट 2 करोड़ में बिका; आज भी होगी नीलामी प्रक्रिया

परिवहन विशेष न्यूज

GDA Auction Today जीडीए के आवासीय भूखंड खरीदने को लेकर बड़ी संख्या में लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। गोविंदपुरम में 40 वर्ग मीटर भूखंड़ की दो करोड़ से अधिक की बोली लगी। प्रति वर्गमीटर की बात करें तो 5 .10 लाख रुपये रहा। जीडीए कार्यालय परिसर में आज भी नीलामी होगी। पढ़ें शनिवार को किन-किन भूखंडों की नीलामी होगी।

गाजियाबाद। जीडीए के आवासीय भूखंड खरीदने को लेकर सर्वाधिक लोगों ने दिलचस्पी दिखाई। नीलामी के दौरान बोलीदाताओं ने गोविंदपुरम के सभी आवासीय भूखंडों (GDA residential plots) पर बोली लगाकर खरीदा।

सर्वाधिक बोली गोविंदपुरम के एच ब्लॉक के 40 वर्ग मीटर प्लाट की लगी जो 5.10 लाख रुपये वर्ग मीटर और दूसरे नंबर पर सबसे महंगी बोली इंदिरापुरम ज्ञान खंड में 4.52 लाख रुपये वर्ग मीटर की लगी।

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए 930 लोगों ने किया आवेदन

नीलामी प्रक्रिया में प्राधिकरण ने 22 भूखंड की बिक्री कर 45 करोड़ रुपये की आय की। शुक्रवार सुबह 11 बजे से हिंदी भवन सभागार में प्राधिकरण ने आवासीय, व्यवसायिक और औद्योगिक भूखंड की नीलामी का आयोजन किया। जीडीए के 170 भूखंड़ों की नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए 930 लोगों ने आवेदन किया था।

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने पहुंचे लोगों में आवासीय भूखंडों को खरीदने के लिए दिलचस्पी दिखाई दी। गोविंदपुरम के 17 आवासीय भूखंडों को लोगों ने हाथों हाथ खरीदा। एच ब्लॉक के 40 वर्ग मीटर भूखंड का भूखंड खरीदने के लिए कई बोलीदाता आमने सामने रहे और जमकर एक दूसरे को कीमत में मात दी। आखिर में बोलीदाता ने 5.10 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर की बोली लगाकर इस भूखंड को खरीदा।

गोविंदपुरम के सभी 17 भूखंड की बिक्री हुई। इंदिरापुरम के आवासीय भूखंड की भी लोगों ने दिलचस्पी लेकर बोली लगाई। ज्ञान खंड का भूखंड 4.52 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर में बिका। जीडीए अधिकारियों के अनुसार नीलामी प्रक्रिया में 22 भूखंड़ की बिक्री से 45 करोड़ रुपये की प्राधिकरण को आय हुई है।

जीडीए कार्यालय परिसर में नीलामी आज

जीडीए अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को जीडीए कार्यालय परिसर में मधुबन बापूधाम योजना के दो औद्योगिक, सात व्यवसायिक, पांच शिक्षण संस्थान, तीन नर्सिंग होम के भूखंड, प्रताप विहार योजना का एक बैंक भूखंड, एक ग्रुप हाउसिंग भूखंड, एक कन्वीनिएंट शापिंग भूखंड, एक कॉर्पोरेट ऑफिस भूखंड और एक सामुदायिक केंद्र भूखंड की नीलामी प्रक्रिया की जाएगी।

जीडीए अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार चिकंबरपुर योजना में 24 क्योस्क और दुकानों के भूखंड की नीलामी होगी। शुक्रवार देर शाम हिंदी भवन में नीलामी प्रक्रिया इंदिरापुरम के भूखंडों पर बोली लगने के बाद बंद कर दी गई थी। इसलिए आगे की प्रक्रिया आज जीडीए कार्यालय में होगी।

खुशखबरी! ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू होने से पहले प्रदूषण पर लगाम लगाने की तैयारी, नोएडा की सड़कें होंगी दुरुस्त

गुरुग्राम। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू होने से पहले टूटी व जर्जर सड़कों की मरम्मत होगी। जिलाधिकारी ने नोएडा प्राधिकरण को खराब सड़कों को चिह्नित कर मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही तीनों प्राधिकरण को ग्रेप के दौरान बढ़ते प्रदूषण को रोकने की तैयारियों को लेकर 30 सितंबर तक नोडल अधिकारी नियुक्त कर रिपोर्ट देने को कहा है।

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर यहां पर ग्रेप के तहत पाबंदियां लागू होंगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के आदेश पर लागू होने वाले ग्रेप के तहत बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए तैयारियां शुरू हैं। नोएडा के अलग-अलग क्षेत्रों में सड़कें टूटी व जर्जर हैं। इससे यातायात जाम की स्थिति बन रही है।

इससे हवा में पार्टिकुलेट मैटर (2.5) की मात्रा बढ़ रही है। सर्दियों में हवा की गति थमने से शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) बेहद खराब स्थिति में पहुंच जाता है। जिलाधिकारी की ओर से 28 विभागों को ग्रेप के तहत प्रदूषण को कम करने के लिए पत्र लिखा गया है।

स्टेज एक में लागू होने वाले ग्रेप की तरह अलग-अलग चरणों में पाबंदियां बढ़ती जाएंगी। चरण-4 में निर्माण व तोड़फोड़ कार्यों पर रोक सहित डीजल जेनरेटर के संचालन पर भी पूरी तरह से रोक रहेगी।

इसके चलते औद्योगिक सेक्टरों में कार्य समेत सोसायटियों में किसी तरह की परेशानियों से नहीं जूझना पड़े, इसके लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए निर्देशित किया गया है। वर्क सर्किल अधिकारी करेंगे सर्वे, चिह्नित होंगे हॉटस्पाटः जर्जर व टूटी सड़कों को लेकर नोएडा प्राधिकरण (Noida Authority) के वर्क सर्किल अधिकारी सर्वे कराकर अपनी रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण को देंगे।

प्रदूषण वाली जगह हॉटस्पाट होगी घोषित

नोएडा प्राधिकरण से अंतिम रिपोर्ट व सड़कों की मरम्मत को लेकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, लगातार हो रही वर्षा से जिले में प्रदूषण का स्तर अभी नियंत्रित है। शहर में अलग-अलग क्षेत्रों में जहां प्रदूषण सर्वाधिक है, वहां प्रदूषण विभाग रिपोर्ट तैयार कर हॉटस्पाट घोषित करेगा। इन क्षेत्रों में प्रदूषण की मुख्य वजह क्या है, यह भी विभाग की रिपोर्ट में दर्शाया जाएगा।

सीएक्यूएम ने जारी किया संशोधित आदेश

कमिशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) के आदेश पर एक अक्टूबर से लागू होने वाला ग्रेप अब दिल्ली के एक्यूआई पर निर्भर है। ग्रेप में दिल्ली के एक्यूआई से चार चरण पर निगरानी होगी। पहले चरण में एक्यूआई 201 से 300 के बीच में रखा गया है।

दूसरा चरण 301 से 400 के बीच में होने पर लागू होगा। एक्यूआई 401 से 450 के बीच में होने पर तीसरे चरण पर निगरानी होगी। एक्यूआई 450 से ज्यादा होने पर चौथे चरण पर ग्रेप की पाबंदियां लागू होंगी। डीजल जेनरेटर का संचालन आपातकालीन स्थिति में ही हो सकेगा।

टूटी सड़कों की वजह से लग रहा भीषण जाम

नोएडा (Noida News) के सेक्टर में जगह-जगह सड़कों पर बने गड्ढों की वजह जाम लग रहा है। एनएच-नौ पर प्रतिदिन यातायात जाम से हवा में धुएं के कण घुल रहे हैं और प्रदूषण की वजह बन रहे हैं। सेक्टरों में जगह-जगह सड़कें टूटी व उखड़ी हैं।

'वोट देकर आओ, ब्रांडेड चीजों पर डिस्काउंट लेकर जाओ', बाजारों में दो दिन होगा वोटरों के लिए जबरदस्त

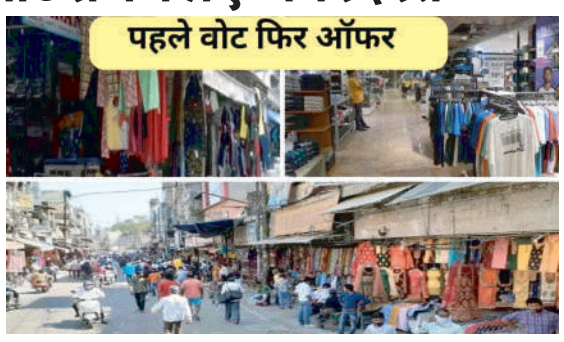

हरियाणा में आगामी 5 अक्तूबर को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाला जाएगा। इसी को देखते हुए फरीदाबाद प्रशासन ने जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए बेहतरीन कदम अपनाया है। जिसके तहत मतदाताओं को ब्रांडेड चीजों पर डिस्काउंट दिया जाएगा। यह ऑफर सिर्फ उनके लिए ही होगा जो वोटिंग के बाद अंगुलि पर लगी स्याही को दिखाएंगे।

फरीदाबाद। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से प्रशासन ने कदम बढ़ाए हैं। मतदाताओं को नामी उत्पादों और खाद्य पदार्थों पर पांच व छह अक्टूबर को 10 से 20 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। जो पैबल डाउनटाउन मॉल में स्थापित शोरूम में मतदान करते समय लगाई गई स्याही को दिखाने पर दी जाएगी।

सभी 17 शोरूम अपने उत्पादों पर 10 प्रतिशत की देंगे छूट

स्वीप के नोडल अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त डा.आनंद शर्मा ने बताया कि मतदाताओं को माल में 18 ब्रांडेड शोरूम अपने उत्पाद पर छूट का लाभ देंगे। माल में चिन्हित कैफे देहली हाईट्स 20 प्रतिशत छूट का लाभ देगा। शेष सभी 17 शोरूम अपने उत्पादों पर 10 प्रतिशत की छूट देंगे।

हर मतदाताओं को भी मतदान करने के बाद उठाना चाहिए लाभ

इनमें चुनमुन, पेंटालून्स, स्टारबक्स, सोशल, ग्लोबल रिपब्लिक, मीना बाजार, ले-मार्क, सागर रत्ना, वंचाय, बर्गर सिंह, खान चाचा, बीकानेर, अमृतसरी, कैलिफोर्निया बुर्रिटो, फैटिगर और बैरी ब्रदर शामिल हैं। मतदाताओं को भी मतदान करके इस विशेष छूट का लाभ उठाना चाहिए।

आरोपी ड्राइवर पर कई धाराओं में केस दर्ज, रॉन्ग साइड से गाड़ी चलाने पर युवक की गई थी जान

Gurugram Road Accident गुरुग्राम शहर के डीएलएफ फेस दो मेट्रो स्टेशन के पास 15 तारीख को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें एक गलत साइड से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे एक युवक की मौत हो गई। मां ने पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए थे। अब पुलिस ने आरोपित चालक के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

गुरुग्राम। डीएलएफ फेस दो मेट्रो स्टेशन के पास 15 सितंबर की सुबह रॉन्ग साइड आ रही महिंद्रा एक्सूयवी से टकराने से बाइक सवार युवक की मौत के मामले में आरोपित कार चालक के विरुद्ध कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उसे हादसे के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन सभी धाराएं जमानती होने के कारण उसे थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया गया था।

सेक्टर 23 कार्टरपुरी निवासी प्रदुम्न ने सड़क हादसे की शिकायत डीएलएफ फेस दो थाने में की थी। उन्होंने बताया था कि वह लोग डीएलएफ डाउन टाउन स्थित एक्सपीडिया ट्रैवलिंग कंपनी में काम करते हैं। दिल्ली के द्वारका के बोचनपुर निवासी अक्षत गर्ग भी साथ में काम करता था।

गलत साइड से आ रही कार, बाइक से टकराई

हर रविवार को वह सभी छह सात दोस्त बाइक से एंबिएंस माल के पास इकट्ठे होकर मानेसर घाटी तक जाते थे। 15 सितंबर को भी वह सुबह पांच बजे मानेसर जाने वाले थे। वे बाइक में पेट्रोल भराने के लिए साइबर सिटी की तरफ जा रहे थ। इसी दौरान अक्षत की बाइक डीएलएफ फेस दो मेट्रो स्टेशन के पास विपरीत दिशा से आ रही महिंद्रा एक्सयूवी से टकरा गई थी।

हादसे में उसकी मौत हो गई थी। थाना पुलिस ने मौके से आरोपित को गिरफ्तार किया था। इसकी पहचान बिहार के मधुबनी जिले के कठिनिया गांव निवासी कुलदीप ठाकुर के रूप में हुई थी। फिलहाल यह यहां डीएलएफ के इलाके में रह रहा है।

यह घटना के दौरान शराब के नशे में था या नहीं इसके लिए पुलिस टीम ने इसका मेडिकल परीक्षण कराने के लिए ब्लड के सैंपल लेकर भेजे थे। अभी तक इसकी रिपोर्ट नहीं है। प्रारम्भिक जांच में आरोपित द्वारा किसी भी तरह के नशे का सेवन नहीं करने पाए जाने पर उसे थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया गया था।

उसके विरुद्ध रांग साइड वाहन चलाने पर एमवी एक्ट, लापरवाही से मौत का कारण धारा 106, समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया था। ये सभी धाराएं भी जमानती हैं। पुलिस ने जांच के लिए उसकी कार को जब्त किया है।

घटना के दौरान पास में नहीं था लाइसेंस

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपित के पास घटना के दौरान लाइसेंस नहीं था। इसके अलावा यह भी जानकारी मिली है कि आरोपित के पहले भी कई चालान कट चुके हैं। ये चालान रांग साइड ड्राइविंग और गलत जगह पर पार्किंग करने पर काटे गए थे। 24 अगस्त को कुलदीप का एक चालान कटा था।

हादसे के बाद आरोपित को गिरफ्तार किया गया था। कई धाराओं व एमवी एक्ट में केस दर्ज है। मामले की जांच की जा रही है। उस समय उसके पास लाइसेंस नहीं था। उसे लाइसेंस पेश करने के लिए समय दिया गया है।

तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

ललित गर्ग

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायती प्रयोगशाला ही बना ले?

लाखों-करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने।

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए।

एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकर्ताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते?

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निर्माताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुर्माना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। मिलावट विरोधी कानूनों के सबसे कड़े प्रावधान उस पर लागू होने चाहिए और सजा ऐसी मिलनी चाहिए कि मिसाल बन जाए। यह कार्य स्वयं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सुनिश्चित करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीति तो कत्तई नहीं होनी चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप से भी बचा जाना चाहिए। भावनाओं से खेलने के बजाय शासकों को शासन- प्रशासन के जरिये सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता-गुणवत्ता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि तमाम जगहों और उत्पादों में बहाल रहे। दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया गया है।

मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है, हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध प्रसादम हासिल करना श्रद्धालुओं का मौलिक हक है और यह मन्दिर प्रबंधन के साथ सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले। मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन केवल संस्कृति से जुड़े नैतिक एवं चरित्रसम्पन्न लोगों को ही सौंपा जाना चाहिए।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर

5 लाख रुपये में कॉमेट ईवी और 14 लाख में जेडएस ईवी

परिवहन विशेष न्यूज

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी किफायती इलेक्ट्रिक कार की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत घटाकर 4.99 लाख रुपये कर दी है और जेडएस ईवी की शुरुआती कीमत भी घटाकर महज 13.99 लाख रुपये कर दी गई है।

कंपनी ने कॉमेट ईवी और जेडएस ईवी मॉडल के लिए एक बैटरी सर्विस प्रोग्राम शुरू किया है। इस विकल्प के आने से एमजी इलेक्ट्रिक कारों की कीमत में कमी आई है। बैटरी सर्विस प्रोग्राम का फायदा यह है कि आपको कंपनी की बैटरी किराए पर मिल जाती है। साथ ही आपको प्रति किलोमीटर के हिसाब से चार्ज भी देना होता है। कॉमेट ईवी और जेडएस ईवी के लिए शुरू किए गए बैटरी रेंटल प्रोग्राम की वजह से इन गाड़ियों की कीमत में कितनी कमी आई है।

एमजी मोटर्स ने यह प्रोग्राम ग्राहकों को सुविधा प्रदान करने के लिए शुरू किया है। इस प्रोग्राम के तहत ग्राहकों को बैटरी की पूरी कीमत एकमुश्त नहीं देनी होगी। कार खरीदने के बाद, ग्राहकों को प्रति किलोमीटर के हिसाब से मामूली शुल्क देना होगा।

एमजी कॉमेट ईवी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 6.99 लाख रुपये है। लेकिन अब अगर आप इस कार को बैटरी रेंट पर लेकर खरीदते हैं तो यह इलेक्ट्रिक कार आपको 4.99 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर मिल जाएगी। कार खरीदने के बाद बैटरी रेंट के तौर पर आपको प्रति किलोमीटर 2.5 रुपये देने होंगे। एमजी कॉमेट ईवी की रेंज की बात करें तो यह गाड़ी एक बार फुल चार्ज होने पर 230 किलोमीटर तक चल सकती है।

एमजी जेडएस इलेक्ट्रिक कार की एक्स-शोरूम कीमत 18.98 लाख रुपये से शुरू होती है। लेकिन अगर आप इस कार को बैटरी रेंटल प्रोग्राम में खरीदते हैं तो यह कार आपको शुरुआती कीमत 13.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम में खरीद सकते हैं। बैटरी रेंटल प्लान के तहत इस कार के लिए आपको प्रति किलोमीटर 4.5 रुपये देने होंगे।

बीपीसीएल और आईओएनएजी ने ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए किया साझेदारी को मजबूत

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और बैंगलोर स्थित ईमोबिलिटी सेवा प्रदाता आईओएनएजी ने भारत के इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से की घोषणा

परिवहन विशेष न्यूज

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और बैंगलोर स्थित ईमोबिलिटी सेवा प्रदाता आईओएनएजी ने भारत के इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनी साझेदारी के विस्तार की घोषणा की है। इस सहयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बीपीसीएल के वर्तमान और भविष्य के ईवी चार्जिंग स्टेशन आईओएनएजी के प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से सुलभ रहें, जिससे देश भर में ईवी मालिकों के लिए सुविधा बढ़ेगी।

आईओएनएजी के विज़न में 2028 तक अपने प्लेटफ़ॉर्म में 100,000 से ज़्यादा ईवी चार्जर को एकीकृत करना शामिल है, जिससे 10,000 से ज़्यादा छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय ईवी चार्जिंग बाज़ार में प्रवेश कर पाएँगे। बीपीसीएल के साथ यह साझेदारी उस विज़न का एक महत्वपूर्ण तत्व है, जिसका लक्ष्य ईवी चार्जिंग सुविधाओं तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाना है। इन महत्वाकांक्षाओं के बावजूद, कोई आश्चर्य करता है कि क्या भारत का मौजूदा ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर इतनी तेज़ी से बढ़ रहा है कि ईवी अपनाने में अनुमानित वृद्धि के साथ तालमेल बिठा सके।

आईओएनएजी पहले से ही कई चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटरों से चार्जर्स को एकत्रित और होस्ट करता है और बीपीसीएल के नेटवर्क को इसमें शामिल करने से विभिन्न चार्जिंग सेवाओं के लिए एकल पहुँच बिंदु प्रदान करके उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा में सुधार होने की उम्मीद है। हाल की रिपोर्टें बताती हैं कि भारत में पिछले दो वर्षों में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों में 640% की वृद्धि देखी गई है, जिसमें महाराष्ट्र और दिल्ली सबसे आगे हैं। भारत ने 2030 तक अपने ऑटोमोबाइल बेड़े के 30% विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है, विकास की गति बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त तेज़ नहीं हो सकती है, खासकर अधिक ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में।

MG Windsor EV के सभी वेरिएंट की कीमतों का खुलासा, मिलेगा एक साल चार्जिंग फ्री और लाइफटाइम बैटरी वॉरंटी

परिवहन विशेष न्यूज

MG Windsor EV के सभी वेरिएंट की कीमतों का खुलासा कर दिया गया है। जिसके मुताबिक बिना बैटरी रेंटल के वेस वेरिएंट की कीमत 13 .50 लाख रुपये और टॉप-स्पेक वेरिएंट की कीमत 15 .50 लाख रुपये है। एमजी विंडसर ईवी की बुकिंग 3 अक्टूबर 2024 से शुरू की जाएगी। इसे चार कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। केबिन को ऑल-ब्लैक थीम दिया गया है।

नई दिल्ली। MG Windsor EV को हाल ही में 9.99 लाख रुपये की एक्स-शोरूम की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया था। अब कंपनी ने इसके सभी वेरिएंट की कीमतों का खुलासा कर दिया है। कंपनी ने इसके बैटरी पैक के साथ पूरे पैकेज के रूप में कीमतों का खुलासा किया है। आइए जानते हैं कि इसकी वेरिएंट वाइज कितनी कीमत है।

MG Windsor EV: वेरिएंट वाइज कीमत

एमजी विंडसर ईवी को तीन वेरिएंट ऑप्शन में पेश किया गया है, जो एक्साइट, एक्सक्लूसिव और एसेंस है। एमजी विंडसर ईवी एक्साइट वेरिएंट की बैटरी रेंटल स्कीम की एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये हैं और बैटरी के साथ गाड़ी की एक्स-शोरूम कीमत 13.50 लाख रुपये है। वहीं, इसके एक्सक्लूसिव वेरिएंट के पूरे पैकेज की कीमत 14.50 लाख रुपये और टॉप-स्पेक एसेंस वैरिएंट की कीमत 15.50 लाख रुपये है। एमजी विंडसर ईवी की बुकिंग 3 अक्टूबर, 2024 से शुरू होगी।

MG Windsor EV: डिजाइन

इसे भारत में तीसके ऑल-इलेक्ट्रिक व्हीकल के रूप में कंपनी ने लॉन्च किया है, जो कॉमेट EV और ZS EV के बीच में आती है। इसमें कनेक्टेड LED लाइट, 18-इंच एलॉय व्हील और फ्लश डोर हैंडल के साथ क्रॉसओवर डिज़ाइन दिया गया है। इसे चार कलर ऑप्शन में पेश किया गया है, जो स्टारबर्स्ट ब्लैक, पर्ल व्हाइट, क्ले बेज और फ़िरोज़ा ग्रीन है।

MG Windsor EV: इंटीरियर

इसके केबिन को ऑल-ब्लैक थीम दिया गया है। इसकी रियर सीट 135 डिग्री तक रिक्लाइन होती है। इसके साथ ही इसमें 15.6-इंच टचस्क्रीन, 8.8-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस फ़ोन चार्जर और एक पैनोरमिक फ़िक्स्ड ग्लास रूफ दिया गया है। पैसेंजर की सेफ्टी के लिए छह एयरबैग, एक 360-डिग्री कैमरा दिया गया है।

MG Windsor EV: बैटरी पैक और रेंटल

इसमें 38 kWh की बैटरी दी गई है, जो 136 PS की पावर और 200 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी दावा करती है कि उनकी यह इलेक्ट्रिक कार फुल चार्ज होने के बाद 331 किमी तक का रेंज दोती है। इसके रेंटल प्रोग्राम की बात करें तो बैटरी रेंटल ऑप्शन चुनने वालों के लिए 1,500 किमी के लिए न्यूनतम चार्ज के साथ 3.5 रुपये प्रति किमी का शुल्क लिया जाएगा। इसमें एक्स्ट्रा चार्जिंग एक्सपेंस शामिल नहीं है। हालांकि, ग्राहक eHUB ऐप के जरिए एख साल के लिए सार्वजनिक स्टेशनों पर मुफ्त चार्जिंग का आनंद ले सकते हैं।

इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर मात्र 3 घंटे में फुल चार्ज होकर करता हैं काम नॉन-स्टॉप 8 घंटे

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय ऑटो सेक्टर में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन तेजी से बढ़ रहा है और अब यह कृषि क्षेत्र में भी पहुंच गया है। हाल ही में ऑटोनेक्स्ट कंपनी ने अपना पहला इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर लॉन्च किया है।

ऑटोनेक्स्ट X45 देखने में पारंपरिक ट्रैक्टर जैसी है और इस ट्रैक्टर को भारी भरकम काम के लिए डिज़ाइन की गई है। इसमें 32 kW की इलेक्ट्रिक मोटर है, जो अधिकतम 45 HP की पावर जेनरेट करती है।

इसमें 35 KW/Hr की बैटरी पैक दी गई है, जो एक बार चार्ज करने पर करीब 8 एकड़ के खेत में 8 घंटे तक काम करने में सक्षम है। भारी काम में इसकी रेंज थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन यह कम से कम 6 घंटे तक काम कर सकती है।

इसे घरेलू सॉकेट से कनेक्ट करके चार्ज करने में करीब 6 घंटे लगते हैं। थ्री-फेज चार्जर से बैटरी सिर्फ़ 3 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है। इस ट्रैक्टर की लोडिंग क्षमता 10-15 टन है।

ऑटोनेक्स्ट का दावा है कि इसकी बैटरी सामान्य परिस्थितियों में 8 से 10 साल तक चल सकती हैं। हैवी ड्यूटी के दौरान भी यह बैटरी एक बार चार्ज करने पर 6 घंटे तक काम कर सकती है।

इस तरह ऑटोनेक्स्ट X45 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर न केवल पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प है, बल्कि यह किसानों की लागत कम करने में भी मददगार साबित हो सकती है।

एक महीने में 80 हजार शिकायतें, कोई अपनी गाड़ी पर लाद कर ला रहा है, तो कोई लगा रहा आग शोरूम में

परिवहन विशेष न्यूज

ओला इलेक्ट्रिक इन दिनों कई समस्याओं से जूझ रही है। अगस्त में जहां ओला टू-व्हीलर्स की बिक्री में गिरावट आई, वहीं ओला स्कूटर में खराबी की शिकायतों का भी अंबार लगा हुआ है। ओला इलेक्ट्रिक को हर महीने स्कूटर में खराबी से जुड़ी 80 हजार से ज्यादा शिकायतें मिल रही हैं यानी हर दिन 2666 शिकायतें। पीक डेज में तो एक दिन में शिकायतों की संख्या 6000-7000 तक पहुंच जाती है। ग्राहकों की समस्याओं का समय पर समाधान न करने की वजह से कंपनी को ग्राहकों के गुस्से का भी सामना करना पड़ रहा है। कर्नाटक के एक शख्स ने तो कंपनी द्वारा ओला स्कूटर ठीक न करने पर ओला के शोरूम में आग लगा दी थी। गुजरात में एक ग्राहक अपने स्कूटर को एक वाहन पर रखकर शोरूम के बाहर ले आया और वहां गाना गाकर लोगों को माइक पर अपना दुखड़ा सुनाया।

ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी शुरुआत से अब तक 6,80,000 से ज़्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं। कंपनी पूरे भारत में 430 सर्विस सेंटर चलाती है। ओला स्कूटर में आने वाली समस्याओं की संख्या ज़्यादा होने की वजह से कंपनी समय पर स्कूटर की मरम्मत करने और उन्हें ग्राहकों को वापस करने में नाकाम साबित हो रही है। इस वजह से कंपनी को न सिर्फ़ ग्राहकों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है बल्कि सोशल मीडिया पर भी उसकी खूब आलोचना हो रही है।

ग्राहक ओला केयर प्लस, एक पेड सेवा जो ओला ने खराब स्कूटर को घर से पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ सुविधा प्रदान के लिए ओला केयर प्लस नामक एक सर्विस शुरू कर रखी है। इसकी सदस्यता लेने वाले ग्राहकों को भी सर्विस अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। कई ग्राहकों ने स्कूटर की मरम्मत के लिए 30 से 45 दिन तक इंतजार किया। लंबे समय तक इंतजार करने के बाद उनका सब्र का बांध टूट गया और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंपनी को कोसना शुरू कर दिया।

हर महीने करीब 80 हजार शिकायतें मिलने के बाद अब कंपनी सक्रिय हो गई है। सेवा संबंधी समस्याओं को लेकर ग्राहकों की बढ़ती शिकायतों के समाधान के लिए ओला इलेक्ट्रिक ने नई सेवा टीम बनाई है। इस टीम में उत्पाद और परिचालन समेत विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को शामिल किया गया है।

गाजियाबाद में ई-रिक्शा चालकों के लिए समाजवादी पार्टी ने डीएम कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन और दिया ज्ञापन के साथ एक सप्ताह का अल्टीमेटम

गाजियाबाद में शनिवार 21 सितंबर को समाजवादी पार्टी ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि जिन सड़कों पर ई-रिक्शा चालकों के चलने पर रोक लगाई गई है, उन्हें एक सप्ताह के अंदर खुलवाया जाए।

समाजवादी पार्टी नेताओं के मुताबिक प्रतिबंध के बाद ई-रिक्शा चालकों के परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट गहरा गया है। समाजवादी पार्टी के युवजन सभा के जिला अध्यक्ष जीतू शर्मा ने ई-रिक्शा चालक यूनियन के लोगों के साथ जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया।

साथ ही सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन भी सौंपा। जीतू शर्मा के मुताबिक गरीब लोगों ने बैंक से या पड़ोसियों से लोन लेकर ई-रिक्शा खरीदे हैं।

अब सड़कों पर ई-रिक्शा पर रोक लगने से चालक बैंक की किस्त या लोन कैसे चुकाएंगे। जिसके चलते चालकों को बैंक कर्मचारियों और लेनदारों द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा है।

जीतू शर्मा के मुताबिक ई-रिक्शा चालक आज भूखे मरने को मजबूर हैं। जीतू शर्मा के मुताबिक प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया गया है, नहीं तो भूख हड़ताल की जाएगी।

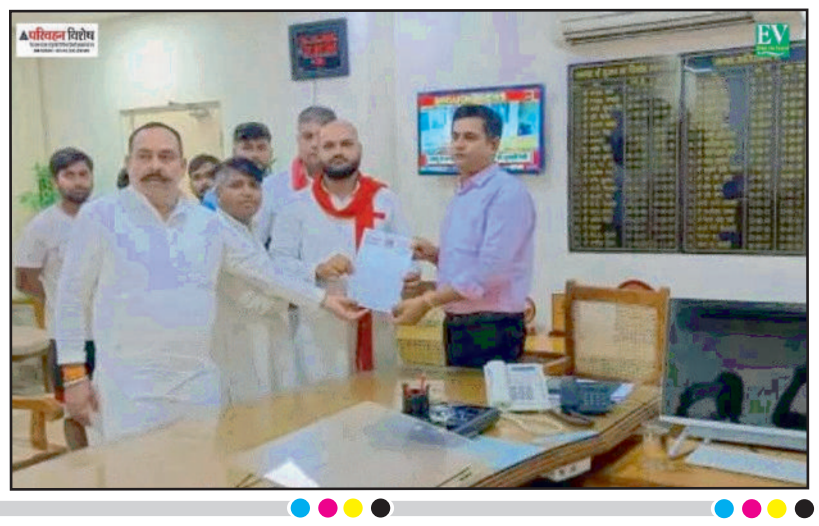

ब्राजील में लॉन्च हुई 2025 होंडा XRE 190 बाइक, स्पोर्टी लुक के साथ मिले नए फीचर्स

नई दिल्ली। होंडा ने ब्राजील में में XRE 190 का 2025 मॉडल लॉन्च किया है। इसे मूल रूप से 2016 में लॉन्च किया गया था। लॉन्च होने के बाद यह अक्टूबर से ब्राजील में डीलरशिप तक पहुंचा शुरू हो जाएगा। आइए जानते हैं कि ब्राजील में लॉन्च हुई 2025 Honda XRE 190 ADV को किन खास फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया है।

2025 होंडा XRE 190: क्या है नया?

2025 होंडा XRE 190 के फेयरिंग में कुछ अपडेट किए गए हैं। इसके साथ ही फ्यूल टैंक, साइड प्रोफाइल, सीट और टेल सेक्शन में भी बदलाव देखने के लिए मिले हैं। इसकी स्टेप सीट को पहले से बड़ा किया गया है और ग्रैब रेल को पहले से बेहतर किया गया है, जिसका इस्तेमाल टॉप केस लगाने के लिए किया जा सकता है। बाइक में नया एग्जॉस्ट टिप दिया गया है।

इसे दो वेरिएंट में पेश किया गया है, जो स्टैण्डर्ड और एडवेंचर वर्जन है। इसके बेस मॉडल को पर्लसेंट रेड और मैटे मेटैलिक ब्लू कलर ऑप्शन में लाया गया है। वहीं, एडवेंचर वेरिएंट में एक्सक्लूसिव ग्राफिक्स के साथ पर्लसेंट ग्रे स्कीम दिया गया है। इतना ही नहीं इसे पहले से ज्यादा स्पोर्टी लुक और रोशनी के लिए LED लाइट दी गई हैं।

समय प्रबंधन

विजय गर्ग

समय प्रबंधन से तात्पर्य समय को प्रभावी ढंग से और समझदारी से प्रबंधित करने से है ताकि सही गतिविधि के लिए सही समय आवंटित किया जा सके। यह ठीक ही कहा गया है कि समय और ज्वार किसी का इंतजार नहीं करते। इसलिए, समय प्रबंधन योजना बनाने और विशिष्ट गतिविधियों पर खर्च किए जाने वाले समय पर नियंत्रण रखने की कला या प्रक्रिया है, विशेष रूप से प्रभावशीलता, दक्षता या उत्पादकता बढ़ाने के लिए। प्रभावी समय प्रबंधन विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों को उनके पास उपलब्ध समय स्लॉट के अनुसार महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए अपना समय प्रभावी ढंग से वितरित करने की अनुमति देता है। आमतौर पर, समय प्रबंधन उन कामकाजी पेशेवरों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिनका काम सही समय पर उत्पाद वितरित करना है, साथ ही उन छात्रों के लिए भी जिन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ जीवन की अन्य गतिविधियों को प्रबंधित करने के लिए प्रभावी ढंग से समय निर्धारित करने की आवश्यकता होती है। चूंकि समय बहुत सीमित है और हम सभी को 24 घंटों में सब कुछ प्रबंधित करना होता है, बहुत सी चीजों के लिए प्रतिस्पर्धा या कीमत हो सकती है, लेकिन आप समय को खरीद, बदल या रोक नहीं सकते हैं। यदि आप अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहते हैं तो आपको इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना होगा। समय प्रबंधन एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है और विशिष्ट कार्यों, परियोजनाओं और लक्ष्यों को नियत तिथि के अनुरूप पूरा करते समय या सामान्य रूप से किसी चीज की योजना बनाते समय समय का प्रबंधन करने के लिए कई प्रकार के कौशल, उपकरण और तकनीकों से सहायता मिल सकती है। समय प्रबंधन के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक यह है कि आप स्वयं को इस बात से अवगत होने में मदद करें कि आप अपने समय के साथ-साथ उपलब्ध संसाधनों का उपयोग काम को व्यवस्थित करने, प्राथमिकता देने और अपने काम में सफल होने के साथ-साथ समय पर अपना काम पूरा करने में कैसे करते हैं ताकि आप आपके पास अपने दोस्तों और परिवार आदि के लिए पर्याप्त समय हो सकता है। प्रारंभ में, समय प्रबंधन का तात्पर्य केवल व्यावसायिक या कार्य गतिविधियों से था, लेकिन अंततः इस शब्द का विस्तार होकर इसमें व्यक्तिगत गतिविधियाँ भी शामिल हो गईं। समय प्रबंधन प्रणाली प्रक्रियाओं, उपकरणों, तकनीकों और विधियों का एक डिज़ाइन किया गया संयोजन है। समय प्रबंधन हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रभावी योजना की दिशा में कुछ उपकरण शामिल हो सकते हैं: सही समय पर लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित करना अपने काम या प्रोजेक्ट के लिए समय सीमा निर्धारित करना उत्तरदायित्वों का प्रत्यायोजन अतिभार से बचना अपने लक्ष्यों पर ध्यान दें अपनी क्षमता का विश्लेषण करें और उसके अनुसार योजना बनाएं कार्यों और गतिविधियों को उनके महत्व के अनुसार प्राथमिकता देना सही गतिविधि पर सही समय व्यतीत करना समय प्रबंधन के फायदे अगर आप अपने जीवन में सफल होना चाहते हैं तो कड़ी मेहनत और समय प्रबंधन ही सफलता की कुंजी है। यदि आप अपनी प्राथमिकताओं को महत्व, प्रासंगिकता के साथ-साथ आपके पास मौजूद समय के अनुसार प्रभावी ढंग से निर्धारित करते हैं, तो आप ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। प्रभावी समय प्रबंधन कम तनावपूर्ण जीवन का प्राथमिक साधन है। समय का अच्छे से प्रबंधन करने से व्यक्ति सही समय पर सही काम करने में सक्षम हो जाता है। समय प्रबंधन का प्राथमिक लक्ष्य आपको अपने जीवन पर पूर्ण नियंत्रण देना और अपने समय को इस तरह से प्रबंधित करना है कि आप इसका पूरा उपयोग कर सकें, साथ ही बिना किसी डर के एक खुशहाल, स्वस्थ और तनाव मुक्त जीवन जी सकें। आपके काम का. जब आप पहले से ही अपनी निर्धारित समय अवधि से आगे चल रहे हैं तो जाहिर है कि आप किसी भी प्रकार के दबाव में नहीं हैं, इसलिए, जब आप किसी भी प्रकार के दबाव के बिना काम करते हैं तो आप सर्वोत्तम परिणाम देते हैं। समय प्रबंधन के कुछ फायदों में शामिल हैंः समय की पाबंदी और अनुशासनः समय प्रबंधन का एक बुनियादी लाभ यह है कि यह व्यक्ति को समय का पाबंद और अनुशासित बनाता है। जब वह होता है तब कोई काम करना सीखता है वास्तव में प्रभावी समय प्रबंधन के परिणामस्वरूप इसकी आवश्यकता है। समय प्रबंधन में समय का विवेकपूर्ण उपयोग शामिल है; व्यक्तियों को दिन की शुरुआत में की जाने वाली गतिविधियों की एक सूची तैयार करने की आवश्यकता होती है, ताकि प्रत्येक गतिविधि के लिए निर्दिष्ट विशिष्ट समय स्लॉट के विरुद्ध उनके महत्व और तात्कालिकता के अनुसार किसी विशेष दिन में की जाने वाली गतिविधियों को लिखा जा सके। इसलिए, यह सही समय पर सही काम करने का महत्व भी सिखाता है। सही दिशाः अपनी गतिविधियों को पहले से प्रबंधित करने से आपको एक स्पष्ट कार्य योजना के साथ-साथ काम करने की दिशा भी मिलती है। एक कार्य योजना व्यक्तियों को कार्यस्थल पर दिशा का एहसास कराती है। एक व्यक्ति जानता है कि उसका दिन कैसा रहेगा और अंततः वह उसी के अनुसार काम करता है जिससे आउटपुट में वृद्धि होती है। जब आपने प्राथमिकता और प्रासंगिकता के अनुसार पहले से ही अपनी गतिविधियों की योजना बना ली है तो आपको यह सोचने में अपना समय बर्बाद करने की जरूरत नहीं है कि आगे क्या करना है। आत्मविश्वास देता हैः यह भी देखा गया है कि जो लोग अपने समय का अच्छी तरह से प्रबंधन करते हैं वे अपनी गतिविधियों पर पूरी तरह से नियंत्रण रखते हैं और वास्तव में अपने काम के प्रति आश्वस्त होते हैं। समय प्रबंधन के परिणामस्वरूप, व्यक्ति निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करते हैं, जिससे वे अपने संगठन के साथ-साथ अपने साथियों के बीच भी लोकप्रिय हो जाते हैं। जब आप किसी विशेष प्रोजेक्ट या कार्य के लिए आवंटित समय से आगे बढ़ रहे होते हैं, तो स्वाभाविक रूप से आपमें आत्मविश्वास बढ़ने लगता है क्योंकि आप जानते हैं कि आप अपना प्रोजेक्ट आवंटित समय से पहले ही पूरा कर लेंगे। जो लोग समय की कीमत समझते हैं वे ही भीड़ से अलग खड़े होते हैं और हमेशा सबसे आत्मविश्वासी होते हैं। सफलता की कुंजीः यह कहना गलत नहीं होगा कि समय प्रबंधन ही सफलता की कुंजी है। प्रभावी समय प्रबंधन तकनीक एक कर्मचारी को अपना काम और कर्तव्य ठीक से करने में मदद करती है और साथ ही उसे दिए गए कार्य को समय पर पूरा करने में मदद करती है जिससे उसे सफलता के शिखर पर जल्दी पहुंचने और शीर्ष पर मजबूती से बने रहने में मदद मिलती

है। ऐसे कर्मचारी भी होते हैं जो केवल काम करने के लिए काम करते हैं और प्रभाव छोड़ने में असफल रहते हैं, परिणामस्वरूप, उन्हें काम पर कभी भी गंभीरता से नहीं लिया जाता है। प्रभावी समय प्रबंधन किसी व्यक्ति की उत्पादकता के साथ-साथ काम के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन में भी उपलब्धि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब लोग अपने समय का अच्छी तरह से प्रबंधन करते हैं और अपने कार्यों को प्राथमिकता देते हैं तो आउटपुट काफी बढ़ जाता है। व्यक्ति संगठित बनता हैः अपनी गतिविधियों की पहले से योजना बनाना और एक प्रभावी कार्य योजना पर कायम रहना व्यक्ति को समय का पाबंद और सुव्यवस्थित व्यक्ति बनाता है। जब आप पहले से योजना बनाते हैं तो आपको यह भी पता होता है कि आपको अपना काम करने के लिए क्या चाहिए और चीजों को उसके अनुसार व्यवस्थित करना चाहिए, चीजों को उनके उचित स्थान पर रखने से दस्तावेजों, महत्वपूर्ण फाइलों, फ़ोल्डरों, स्टेशनरी वस्तुओं आदि की अनावश्यक खोज में लगने वाला समय कम हो जाता है। हर चीज को व्यवस्थित तरीके से उपयोग के लिए तैयार रखने से समय की बचत होती है और साथ ही आपको चीजों को व्यवस्थित तरीके से रखने की अच्छी आदत भी पड़ जाती है। बेहतर समय प्रबंधन के लिए, व्यक्ति अपने कार्यस्थलों, अध्ययन क्षेत्रों, कक्षों, बैठक क्षेत्रों को साफ और व्यवस्थित रखते हैं। समय प्रबंधन के परिणामस्वरूप लोग चीजों को अच्छी तरह से प्रबंधित करना सीखते हैं। समय प्रबंधन का महत्व छात्रों के लिए समय प्रबंधन का महत्वः समय प्रबंधन में मूल रूप से उपलब्ध समय के अनुसार प्राथमिकताओं का निर्धारण और पहले से योजना बनाना शामिल है कि आप पहले कौन सी नौकरी चुनेंगे और किसी विशेष कार्य पर कितना समय व्यतीत करेंगे। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि जीवन के हर क्षेत्र में समय प्रबंधन आवश्यक है क्योंकि समय अमूल्य हैइसका सहारा लेकर किसी कार्य को पूरा करना होता है। हर किसी के पास एक दिन में केवल 24 घंटे होते हैं; यह वह तरीका है जिससे आप इसका उपयोग करते हैं जो आपकी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में एक बड़ा अंतर लाता है जो या तो आपके कार्यालय, स्कूल और कॉलेज या घर पर हो सकता है। एक भी क्षण जो एक बार बीत गया वह कभी भी उपयोग के लिए वापस नहीं आएगा, इसलिए इसका अधिकतम लाभ एक ही बार में उठा लें। समय प्रबंधन व्यक्तियों को अपना कार्य समय पर पूरा करने और अपने समय का अधिक उत्पादक ढंग से उपयोग करने में मदद करता है। यह आपको बेकार गतिविधियों की पहचान करने में मदद करता है जिन्हें टाला जा सकता है और समय बचाया जा सकता है। यह आपको किसी कार्य को उचित समय देने और कार्य को अधिक कुशलता से करने में मदद करता है। एक विद्यार्थी के जीवन में समय प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। एक छात्र को अपनी दिनचर्या में बहुत सारी गतिविधियों के बीच तालमेल बिठाना पड़ता है, जिनमें से कुछ उसकी पढ़ाई से संबंधित होती हैं, कुछ गतिविधियाँ जैसे भोजन करना और नहाना आदि उसके जीवन के लिए आवश्यक होती हैं और कुछ खेल, खेल और अन्य मनोरंजक गतिविधियाँ होती हैं। मनोरंजन या शारीरिक फिटनेस। प्रत्येक कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और उसकी अपनी प्रासंगिकता है। फिर भी, कुछ गतिविधियाँ ऐसी भी हैं जिनका कोई उपयोग नहीं है और बस किसी न किसी तरह से समय बर्बाद करते हैं। विद्यार्थियों के लिए अपनी गतिविधियों का समय निर्धारित करना भी महत्वपूर्ण है। मनोरंजन गतिविधियों पर बहुत अधिक समय और पढ़ाई पर कम समय खर्च करने से कुछ नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं; इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप इस समस्या से बचने के लिए अपनी गतिविधियों के लिए पहले से ही समय निर्धारित कर लें। समय प्रबंधन बस वह तरीका है जिससे कोई व्यक्ति प्राथमिकताओं के अनुसार अपने समय को नियंत्रित या निर्धारित करता है और छात्र जीवन के दौरान यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपकरण है। इसमें महारत हासिल करना एक महत्वपूर्ण कौशल है क्योंकि यह छात्र को जीवन, स्कूल, काम, परिवार और कई अन्य गतिविधियों में विभिन्न जिम्मेदारियों का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। विद्यार्थी जीवन एक ऐसा चरण है जहां व्यक्तियों के पास हमेशा समय की कमी होती है; आपके पास करने के लिए बहुत कुछ है और जीवन के हर पहलू को कवर करने के लिए आपके पास सीमित समय है। जो अपने समय का अच्छे से प्रबंधन कर पाता है वही सफलता की कहानी लिखता है। यदि इस कौशल को सही ढंग से सीखा और लागू किया जाए, तो यह वास्तव में बहुत समय बचा सकता है। व्यवसाय में समय प्रबंधन का महत्वः खेल, व्यवसाय या पढ़ाई किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत के साथ-साथ अपने संसाधन और समय का प्रबंधन करना बहुत महत्वपूर्ण है। एक सफल बिजनेस के लिए आपको कड़ी मेहनत के साथ-साथ समय और संसाधनों का अच्छा प्रबंधन भी करना होगा। एक सफल व्यवसाय बनाने के लिए आपको समय प्रबंधन के गुर अच्छी तरह से जानने होंगे। अपनी सफलता पर इसके सकारात्मक प्रभाव को समझने के लिए आपको अपने समय के निवेश के महत्व को जानना होगा। एक सफल व्यवसाय के लिए ग्राहकों की संतुष्टि बहुत महत्वपूर्ण है जो तभी मिलती है जब आप कम समय में सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करते हैं। यदि आपके पास एक समर्पित कार्यबल है लेकिन पालन करने के लिए कोई कार्य योजना नहीं है तो एक अच्छा स्टाफ होना बेकार है जब तक कि आपके पास उचित योजना न हो। इसलिए सफल व्यवसाय की दिशा में पहला कदम प्रभावी समय प्रबंधन के लिए एक अच्छी योजना शक्ति का होना है ताकि कुछ वस्तुओं और सेवाओं के लिए सभी कच्चे माल को संसाधित करने, तैयार करने और सही समय पर वितरित करने के लिए उपलब्ध हो। अगर आप बिजनेस में हैं तो शायद आप समय की कीमत अच्छे से जानते होंगे। यदि आपको किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए एक निश्चित समय सीमा दी जाती है, तो इसका मतलब है कि उस समय पर काम पूरा करना आपके ग्राहक को काम के प्रति आपकी गंभीरता दिखाने के साथ-साथ व्यावसायिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उनके साथ जीवन भर का रिश्ता बनाने के लिए है। समय प्रबंधन आपको अपनी गतिविधियों की योजना इस प्रकार बनाने का अवसर देता हैताकि आप समय सीमा आने से पहले अपना प्रोजेक्ट पूरा कर सकें। इसके अलावा, समय प्रबंधन के कई अन्य फायदे भी हैंः कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है आपको समय सीमा से पहले पूरा करने में मदद करता है आपके कार्य को प्राथमिकता देने में मदद करता है कम समय में अधिक काम पूरा करने में मदद करता है किसी विशेष कार्य को पूरा करने में लगने वाले समय का स्पष्ट अंदाजा देता है कच्चे माल और मशीनरी या सेवा की व्यवस्था करने के लिए समय देता है समय प्रबंधन के लिए टिप्स समय प्रबंधन कौशल विकसित करना एक ऐसी यात्रा है जो आपके जीवन तक चलती रहती है। समय प्रबंधन कौशल को बढ़ाने के लिए अभ्यास और अन्य मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। आजकल समय की महत्ता बढ़ गई है, हर कोई अपने समय का अधिकतम उपयोग करना चाहता है। हमारे पास ऐसे उपकरण हैं जो हमें लगातार काम से, दोस्तों और परिवार से, और कभी-कभी पूरी तरह से अजनबियों से भी जोड़े रखते हैं, जिससे कभी-कभी बहुत अधिक ध्यान भटक सकता है। अगर आप अपने जीवन में कुछ बड़ा हासिल करना चाहते हैं तो इन दिनों समय प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। कुछ समय प्रबंधन युक्तियाँः संगठित रहेंः अगर आप सफल होना चाहते हैं तो संगठित होना बहुत जरूरी है। समय बचाने वाले उपकरणों का उपयोग करें जैसे कि अपॉइंटमेंट कैलेंडर, ₹करने के लिए₹ सूचियाँ, ई-मेल, उत्तर देने वाली मशीनें, फ़ाइल फ़ोल्डर आदि। यदि आप अपनी चीज़ों को व्यवस्थित तरीके से रखते हैं तो आपको चीज़ों की तलाश में अपना समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा। जब आपको उनकी आवश्यकता हो. एक व्यवस्थित कार्यस्थल रखें और इसके परिणामस्वरूप, आपको लगातार अपनी ज़रूरत की चीज़ों की तलाश में समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा। व्यवस्थित होने का मतलब अपनी चीज़ों को जगह पर रखना ही नहीं है, बल्कि अपने काम और शेड्यूल को व्यवस्थित करना भी है। उपलब्धता के अनुसार अपनी नियुक्तियों और समय को व्यवस्थित करने के लिए अध्ययन के समय को सूचीबद्ध करने सहित हर चीज के लिए अपने नियुक्ति कैलेंडर का उपयोग करें। समय सीमा निर्धारित करनाः समय सीमा निर्धारित करना बहुत महत्वपूर्ण है। अपने लिए समय सीमा निर्धारित करें और समय सीमा से पहले कार्यों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें। जब आप आवंटित समय से आगे दौड़ते हैं तो यह स्वाभाविक रूप से आपको आंतरिक आत्मविश्वास देता है। हर बार अपने वरिष्ठों द्वारा आपसे पूछे जाने की प्रतीक्षा न करें; इसके बजाय अपनी भूमिका के लिए पहले से तैयार रहें। काम का स्वामित्व लेना सीखें. एक व्यक्ति जो सबसे अच्छी समय सीमा निर्धारित कर सकता है, वह आप स्वयं हैं। अपने आप से यह पूछने की भी सलाह दी जाती है कि किसी विशेष कार्य के लिए कितना समय और कितने दिन समर्पित करने की आवश्यकता है। निर्धारित समय सीमा के विरुद्ध महत्वपूर्ण तिथियों को चिह्नित करने के लिए एक योजनाकार का उपयोग करें। अपने प्रयास को संतुलित करेंः अपने प्रयास के अनुसार उचित संतुलन बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। सप्ताह के अंत तक आने वाले काम के प्रत्येक दिन छोटे-छोटे हिस्सों पर काम करें ताकि आप काम को समय पर पूरा कर सकें, और एक बेहतर तकनीक यह है कि पहले सबसे महत्वपूर्ण कार्यों से शुरुआत करें और फिर कम महत्वपूर्ण कार्यों पर आगे बढ़ें। वाले. जो हाथ में है उस पर ध्यान केंद्रित करें और साथ ही अन्य चीजों के बारे में सोचकर अपना ध्यान खो दें। अपनी प्राथमिकताओं को अच्छी तरह से समयबद्ध करें और उसी के अनुसार कार्यान्वित करें। फिर अगले दैनिक कार्य पर आगे बढ़ें। एक बार जब दिन के कार्य पूरे हो जाएं, तो उन्हें चिह्नित करें और अगले दिन के कार्यों के लिए आगे बढ़ें। अनावश्यक गतिविधियों को स्थगित करेंः कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम करते समय कार्यों या दिनचर्या को स्थगित करना एक समय प्रबंधन तकनीक भी है जिसे आपका काम पूरा होने तक स्थगित किया जा सकता है। मुख्य कार्य पर ध्यान केंद्रित रखें और बाकी सब भूल जाएं। यह समय प्रबंधन की सबसे कठिन चुनौती हो सकती है। अधिकांश समय ध्यान भटकाने वाली गतिविधियाँ अधिक मनोरंजन करती हैं, इसलिए हम अधिक की ओर आकर्षित होते हैं। इसलिए अपने काम के साथ-साथ उन चीजों पर भी ध्यान दें जो आपके लिए महत्वपूर्ण हैं।

विजय गर्ग

बेसिक और एप्लाइड साइंसेज में करियर के अवसर

बीसवीं सदी के मध्य से दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश राष्ट्र स्वतंत्र हो चुके हैं और उनमें स्वयं को विकसित कर अन्य राष्ट्रों से दो कदम आगे रहने की होड़ मची हुई है। इससे दुनिया भर के देशों के बीच बहुत स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा हुई है। यह वह प्रतिस्पर्धा है जिसने जीवन के सभी क्षेत्रों में नए और बेहतर गैजेट्स की आवश्यकता पैदा की है। और यह सब हर क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के माध्यम से किया जा सकता है। विज्ञान तकनीशियन अनुसंधान और विकास में सहायता करने और उत्पादों और प्रक्रियाओं के आविष्कार और सुधार में सहायता के लिए विज्ञान और गणित के सिद्धांतों और सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। वे प्रयोगशाला उपकरणों की स्थापना, संचालन और रखरखाव करते हैं, प्रयोगों की निगरानी करते हैं, अवलोकन करते हैं, गणना करते हैं और परिणामों को रिकॉर्ड करते हैं, और अक्सर निष्कर्ष निकालते हैं। जो लोग उत्पादन कार्य करते हैं वे विनिर्माण प्रक्रियाओं की निगरानी करते हैं और सामग्री के उचित अनुपात, शुद्धता, या ताकत और स्थायित्व के लिए उत्पादों का परीक्षण करके गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकते हैं। इस प्रकार बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के स्नातकों के लिए नौकरी के सर्वोत्तम अवसर होने की उम्मीद है जो प्रयोगशालाओं या उत्पादन सुविधाओं में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों पर अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं। जैसे-जैसे प्रयोगशाला उपकरण और प्रक्रियाएं अधिक जटिल हो गई हैं, अनुसंधान और विकास में विज्ञान तकनीशियनों की भूमिका काफी हद तक विस्तारित हो गई है। इस सबने तकनीशियनों, अनुसंधान अध्येताओं और वैज्ञानिकों के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में युवा साथियों के लिए नौकरी के अवसरों के लिए जगह बनाई है। कृषि और खाद्य विज्ञान तकनीशियन खाद्य और अन्य कृषि उत्पादों पर अनुसंधान, विकास और परीक्षण करने के लिए संबंधित वैज्ञानिकों के साथ काम करते हैं। कृषि तकनीशियन भोजन, फाइबर और पशु अनुसंधान, उत्पादन और प्रसंस्करण में शामिल हैं। कुछ लोग फसलों की उपज और गुणवत्ता में सुधार करने या पौधों और जानवरों की बीमारी, कीड़ों या अन्य खतरों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए परीक्षण और प्रयोग करते हैं। अन्य कृषि तकनीशियन पोषण की जांच के उद्देश्य से पशुओं का प्रजनन करते हैं। खाद्य विज्ञान तकनीशियन अनुसंधान और विकास, उत्पादन प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण में खाद्य वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों की सहायता करते हैं। उदाहरण के लिए, खाद्य विज्ञान तकनीशियन रंग, बनावट और पोषक तत्वों के संबंध में खाद्य एवं औषधि प्रशासन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए खाद्य योजकों और परिरक्षकों पर परीक्षण कर सकते हैं। ये तकनीशियन परीक्षण परिणामों का विश्लेषण, रिकॉर्ड और संकलन करते हैं; प्रयोगशाला सूची बनाए रखने के लिए आपूर्ति का आदेश दें; और प्रयोगशाला उपकरणों को साफ और कीटाणुरहित करें। जैविक तकनीशियन जीवित जीवों का अध्ययन करने वाले जीवविज्ञानियों के साथ काम करते हैं। कई लोग चिकित्सा अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिकों की सहायता करते हैं - उदाहरण के लिए कैंसर या एड्स का इलाज खोजने में मदद करना। जो लोग दवा कंपनियों में काम करते हैं वे दवाओं के विकास और निर्माण में मदद करते हैं। सूक्ष्म जीव विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले आम तौर पर प्रयोगशाला सहायक के रूप में काम करते हैं, जीवित जीवों और संक्रामक एजेंटों का अध्ययन करते हैं। जैविक तकनीशियन रक्त, भोजन और दवाओं जैसे कार्बनिक पदार्थों का भी विश्लेषण करते हैं। जैव प्रौद्योगिकी में काम करने वाले जैविक तकनीशियन जीन स्प्लिसिंग और पुनः संयोजक डीएनए सहित बुनियादी अनुसंधान से प्राप्त ज्ञान और तकनीकों को लागू करते हैं और उन्हें उत्पाद विकास में लागू करते हैं। रासायनिक तकनीशियन रसायनज्ञों और रासायनिक इंजीनियरों के साथ काम करते हैं, रसायनों और संबंधित उत्पादों और उपकरणों का विकास और उपयोग करते हैं। आम तौर पर, रासायनिक तकनीशियन दो प्रकार के होते हैंः अनुसंधान तकनीशियन जो काम करते हैंप्रायोगिक प्रयोगशालाएँ और प्रक्रिया नियंत्रण तकनीशियन जो विनिर्माण या अन्य औद्योगिक संयंत्रों में काम करते हैं। अनुसंधान और विकास में काम करने वाले कई रासायनिक तकनीशियन नियमित प्रक्रिया नियंत्रण से लेकर जटिल अनुसंधान परियोजनाओं तक विभिन्न प्रयोगशाला प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं। उदाहरण के लिए, वे प्रदूषण के स्तर की निगरानी के लिए हवा और पानी के नमूने एकत्र और उनका विश्लेषण कर सकते हैं, या वे जटिल कार्बनिक संश्लेषण के माध्यम से यौगिकों का उत्पादन कर सकते हैं। अधिकांश प्रक्रिया तकनीशियन विनिर्माण, डिज़ाइन के लिए पैकेजिंग, सामग्री की अखंडता और पर्यावरणीय स्वीकार्यता का परीक्षण करने में काम करते हैं। आमतौर पर, संयंत्रों में काम करने वाले प्रक्रिया तकनीशियन गुणवत्ता आश्वासन, उत्पाद की गुणवत्ता या उत्पादन प्रक्रियाओं की निगरानी और नई उत्पादन तकनीकों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कुछ लोग तकनीकी सहायता और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए शिपिंग में काम करते हैं। पर्यावरण विज्ञान और सुरक्षा तकनीशियन पर्यावरणीय संसाधनों की निगरानी करने और पर्यावरण में प्रदूषण के स्रोतों और प्रदूषण का निर्धारण करने के लिए प्रयोगशाला और क्षेत्र परीक्षण करते हैं। वे परीक्षण के लिए नमूने एकत्र कर सकते हैं या पर्यावरण प्रदूषण के स्रोतों को कम करने और नियंत्रित करने में शामिल हो सकते हैं। कुछ अपशिष्ट प्रबंधन संचालन, नियंत्रण और खतरनाक सामग्री सूची के प्रबंधन, या नियामक अनुपालन से जुड़ी सामान्य गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हैं। निजी परामर्श फर्मों में कार्यरत कई पर्यावरण विज्ञान तकनीशियन सीधे एक पर्यावरण वैज्ञानिक की देखरेख में काम करते हैं। फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियन भौतिक साक्ष्य एकत्र और विश्लेषण करके अपराधों की जांच करते हैं। अक्सर, वे डीएनए विश्लेषण या आग्नेयास्त्र परीक्षण जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ होते हैं, जांच के लिए उनके महत्व को निर्धारित करने के लिए हथियारों या फाइबर, कांच, बाल, ऊतक और शरीर के तरल पदार्थ जैसे पदार्थों पर परीक्षण करते हैं। साक्ष्यों की सुरक्षा के लिए उचित संग्रह और भंडारण के तरीके महत्वपूर्ण हैं। फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियन अपने निष्कर्षों और प्रयुक्त प्रयोगशाला तकनीकों का दस्तावेजीकरण करने के लिए रिपोर्ट भी तैयार करते हैं, और वे जांचकर्ताओं को जानकारी और विशेषज्ञ राय प्रदान कर सकते हैं। जब आपराधिक मामलों की सुनवाई होती है, तो फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियन अक्सर अपराध स्थल पर एकत्र किए गए पदार्थों, सामग्रियों और अन्य सबूतों की पहचान और वर्गीकरण करके प्रयोगशाला निष्कर्षों पर विशेषज्ञ गवाह के रूप में गवाही देते हैं। कुछ फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियन अन्य विशेषज्ञों या तकनीशियनों के साथ मिलकर काम करते हैं। उदाहरण के लिए, एक फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियन मृत्यु के सही समय और कारण के बारे में या तो एक चिकित्सा विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है या किसी अन्य तकनीशियन से परामर्श कर सकता है जो किसी संदिग्ध के डीएनए प्रकार के मिलान की उम्मीद में डीएनए टाइपिंग में विशेषज्ञ है। वन और संरक्षण तकनीशियन प्राकृतिक भूमि, जैसे कि रेंजलैंड और वनों के आकार, सामग्री और स्थिति पर डेटा संकलित करते हैं। ये कार्यकर्ता आमतौर पर एक संरक्षण वैज्ञानिक या वनपाल की देखरेख में काम करते हैं, लकड़ी को मापने, वन्यजीवों की आवाजाही पर नज़र रखने, सड़क निर्माण कार्यों में सहायता करने और संपत्ति लाइनों और सुविधाओं का पता लगाने जैसे विशिष्ट कार्य करते हैं। वे बुनियादी जानकारी इकट्ठा कर सकते हैं, जैसे पानी और मिट्टी की गुणवत्ता, पेड़ों और अन्य पौधों को बीमारी और कीड़ों से होने वाली क्षति, और ऐसी स्थितियाँ जो आग का खतरा पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, वन और संरक्षण तकनीशियन मौसमी गतिविधियों में वन और संरक्षण कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित और नेतृत्व करते हैं, जैसे कि पेड़ पौधे लगाना और मनोरंजक सुविधाओं को बनाए रखना। वन और संरक्षण तकनीशियनों की बढ़ती संख्या जंगलों या ग्रामीण क्षेत्रों के बजाय शहरी वानिकी - शहरों में व्यक्तिगत पेड़ों का अध्ययन - और अन्य गैर-पारंपरिक विशिष्टताओं में काम करती है।. भूवैज्ञानिक और पेट्रोलियम तकनीशियन तेल और गैस अन्वेषण कार्यों, भूवैज्ञानिक डेटा एकत्र करने और उनकी जांच करने या पेट्रोलियम सामग्री और उनके खनिज और तत्व संरचना को निर्धारित करने के लिए भूवैज्ञानिक नमूनों का परीक्षण करने में सहायता करते हैं। कुछ पेट्रोलियम तकनीशियन, जिन्हें स्काउट्स कहा जाता है, तेल कुएं और गैस कुएं-ड्रिलिंग संचालन, भूवैज्ञानिक और भूभौतिकीय पूर्वेक्षण, और भूमि या पट्टा अनुबंधों के बारे में जानकारी एकत्र करते हैं। परमाणु तकनीशियन परमाणु परीक्षण और अनुसंधान उपकरण संचालित करते हैं, विकिरण की निगरानी करते हैं, और अनुसंधान में परमाणु इंजीनियरों और भौतिकविदों की सहायता करते हैं। कुछ लोग रेडियोधर्मी सामग्री या रेडियोधर्मिता के संपर्क में आने वाली सामग्रियों में हेरफेर करने के लिए रिमोट-नियंत्रित उपकरण भी संचालित करते हैं। परमाणु रिएक्टरों को नियंत्रित करने वाले श्रमिकों को परमाणु ऊर्जा रिएक्टर ऑपरेटरों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अन्य विज्ञान तकनीशियन कई प्रकार की गतिविधियाँ करते हैं। कुछ लोग मौसम की जानकारी एकत्र करते हैं या समुद्र विज्ञानियों की सहायता करते हैं; अन्य लोग लेजर तकनीशियन या रेडियोग्राफर के रूप में काम करते हैं। अनुप्रयुक्त विज्ञान तकनीशियन विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों में काम करते हैं। स्वचालन और सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति के कारण तकनीशियनों को अधिक परिष्कृत प्रयोगशाला उपकरण संचालित करने की आवश्यकता होती है, जिससे पिछले कुछ दशकों में उनकी मांग काफी हद तक बढ़ गई है। इस प्रकार युवा पीढ़ी के लिए बेसिक और एप्लाइड साइंस में करियर बनाने की काफी संभावनाएं हैं। वे बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान के क्षेत्र में कुछ औपचारिक शिक्षा लेकर इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं, जैसे स्नातक की डिग्री या व्यावहारिक विज्ञान या विज्ञान से संबंधित प्रौद्योगिकी में प्रमाण पत्र उन्हें इस क्षेत्र में नौकरी और मास्टर डिग्री पाने में मदद कर सकता है। कार्य के संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए उपयोगी हो सकता है। तकनीशियन आमतौर पर किसी वैज्ञानिक या अधिक अनुभवी तकनीशियन की प्रत्यक्ष देखरेख में नियमित पदों पर प्रशिक्षु के रूप में काम शुरू करते हैं। जैसे-जैसे वे अनुभव प्राप्त करते हैं, तकनीशियन अधिक जिम्मेदारी लेते हैं और केवल सामान्य पर्यवेक्षण के तहत कार्य करते हैं, और कुछ अंततः पर्यवेक्षक बन जाते हैं। जिन तकनीशियनों के पास स्नातक की डिग्री होती है वे तकनीशियन के रूप में काम करने के कुछ वर्षों के अनुभव के बाद या स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद अक्सर अपने क्षेत्र में वैज्ञानिक पदों पर आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं। लगभग 30 प्रतिशत जैविक तकनीशियन पेशेवर, वैज्ञानिक या तकनीकी सेवा फर्मों में काम करते थे; अधिकांश अन्य जैविक तकनीशियन शैक्षिक सेवाओं, सरकार, या फार्मास्युटिकल और दवा निर्माण में काम करते थे। रासायनिक तकनीशियन मुख्य रूप से रासायनिक विनिर्माण और पेशेवर, वैज्ञानिक या तकनीकी सेवा फर्मों में काम करते हैं। अधिकांश पर्यावरण विज्ञान और सुरक्षा तकनीशियनों ने पेशेवर, वैज्ञानिक और तकनीकी सेवा फर्मों और राज्य और स्थानीय सरकारों के लिए काम किया। अधिकांश वन और संरक्षण तकनीशियनों ने शैक्षणिक संस्थानों और खाद्य निर्माण कंपनियों में काम करने के अलावा राज्य या केंद्र सरकार के संगठनों में भी नौकरियां कीं। फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियन मुख्य रूप से राज्य और स्थानीय सरकारों के लिए काम करते थे। अधिकांश भूवैज्ञानिक और पेट्रोलियम तकनीशियन खनन और तेल और गैस उद्योगों में काम करते थे। इन विशेषज्ञों की लगातार बढ़ती जरूरतों को देखते हुए, नौकरी के अवसर व्यावहारिक विज्ञान प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के स्नातकों के लिए सर्वोत्तम होने की उम्मीद है जो प्रयोगशालाओं या उत्पादन सुविधाओं में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों पर अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं। जैसे-जैसे औद्योगिक अनुसंधान, विकास और उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले उपकरण और तकनीकें अधिक जटिल होती जा रही हैं, नियोक्ता अत्यधिक विकसित तकनीकी कौशल वाले व्यक्तियों की तलाश करेंगे।

मंथली बजट कैलकुलेटर: क्या है 50:30:20 रूल, बचत के साथ होंगी सभी जरूरतें पूरी

परिवहन विशेष न्यूज

Saving Rule सेविंग करना जरूरी है लेकिन यह मुश्किल भी हो जाता है। दरअसल सौलरी के आने से पहले ही खर्चों का बिल तैयार रहता है। ऐसे में सवाल आता है कि अपने शौक और जरूरतों के साथ सेविंग कैसे करें। सेविंग के लिए 503020 रूल काफी पॉपुलर है। इस रूल के जरिये आप मंथली बजट भी तैयार कर सकते हैं।

नई दिल्ली। 50-30-20 Rule: आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया! यह एक हद तक सच हो गया है क्योंकि सैलरी आने से पहले खर्चों का बिल आ जाता है। ऐसे में समझ नहीं आता है कि आखिर सैलरी से सेविंग कैसे करें (How to do Saving)। कई बार कोशिश करते हैं पर किसी काम में सेविंग खत्म हो जाती है और फिर आपात स्थिति में उधार लेने की नौबत आ जाती है।

अगर आप भी सेविंग करना चाहते हैं पर सेविंग कर नहीं पा रहे हैं तो आपको यह फाइनेंशियल रूल समझ लेना चाहिए। वित्तीय सलाहकार सेविंग के लिए 50-30-20 रूल (50-30-20 Rule) फॉलो करने के लिए कहते हैं। यह सेविंग के लिए काफी पॉपुलर रूल है। इसके जरिये आप ज्यादा सेविंग भी कर सकते हैं और यह आपके मंथली बजट (Monthly Budget) बनाने में भी मदद करेगा।

क्या है 50-30-20 रूल (What is 50-30-20 Rule)

50-30-20 रूल को तीन भागों में बांटा गया है। इसे जरूरत, चाहत और बचत में बांटा गया है। इस रूल में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 फीसदी हिस्सा अपनी जरूरत के लिए खर्च करना चाहिए। आप इस हिस्से का इस्तेमाल घर के राशन, बिजली बिल आदि खर्चों के लिए कर सकते हैं।

वहीं, बाकी बचे 50 फीसदी में से 30 फीसदी हिस्सा चाहत या फिर शौक के लिए रखें। इस हिस्से के पैसों का इस्तेमाल आप मूवी देखने, घूमने जाने आदि के लिए खर्च कर सकते हैं। वहीं बाकी के 20 फीसदी हिस्सा आपको सेविंग फंड (Saving Fund) के लिए रखना है। अगर आप कहीं निवेश करते हैं तो आप 20 फीसदी में से 10 फीसदी निवेश करें और बाकी 10 फीसदी अपने बैंक अकाउंट (Bank Account) में रखें ताकि आपात स्थिति में आपको उधार न लेना पड़े।

कैसे फॉलो करें 50-30-20 रूल

इस रूल को फॉलो करने के लिए आपको पहले अपने मंथली इनकम को कैलकुलेट करना चाहिए। अब अपनी इनकम को खर्च, जरूरतों और सेविंग्स में बांट दें और फिर उसी हिसाब से खर्च करें। इस तरह आप अपना मंथली बजट (Monthly Budget) भी तैयार कर लेंगे और आप ज्यादा से ज्यादा सेविंग्स भी कर पाएंगे।

उदाहरण के तौर पर अगर आपकी मासिक इनकम 50,000 रुपये है तो 50-30-20 रूल के हिसाब से आपको 25,000 रुपये अपनी जरूरतों के लिए खर्च करना चाहिए। बाकी के 25,000 रुपये में से 15,000 रुपये अपने शौक के लिए और 10,000 रुपये सेविंग्स के लिए रखना चाहिए। अगर आप किसी स्कीम में निवेश कर रहे हैं तो आपको फिर 5,000 रुपये का मासिक निवेश करना चाहिए और बाकी बचे 5,000 रुपये कैश या फिर बैंक अकाउंट में रखना चाहिए।

पीएफ़ अकाउंट से अब निकाल पाएंगे 1 लाख रुपये, EPFO ने बदल दिया नियम

परिवहन विशेष न्यूज

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने पीएफ अकाउंट से आंशिक निकासी के नियम में बदलाव कर दिया है। अब ईपीएफओ मेंबर्स पीएफ अकाउंट से 1 लाख रुपये तक की निकासी कर सकते हैं। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि पीएफ अकाउंट से आंशिक निकासी कब-कब निकाल सकते हैं और आंशिक निकासी के लिए क्लेम करने का तरीका क्या है।

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) अपने मेंबर्स को कई सुविधा दे रहा है। ईपीएफओ में निवेश करके जहां एक तरफ निवेशक मोटा फंड करने के साथ ही पेंशन (Pension) का लाभ भी पा सकते हैं। इसके अलावा ईपीएफओ मेंबर्स को आंशिक निकासी करने की भी सुविधा देता है। अब ईपीएफओ ने आंशिक निकासी के नियमों में बदलाव (EPFO Rule Change) किया है।

ईपीएफओ का नया नियम (EPFO New Rule)

ईपीएफओ ने आंशिक निकासी के नियमों में बदलाव किया है। इसकी जानकारी केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने दी है। मनसुख मंडाविया ने कहा कि पीएफ अकाउंट (PF Account) से आंशिक निकासी की सीमा को बढ़ा दिया। अब ईपीएफओ के सदस्य पीएफ अकाउंट से 50,000 रुपये की जगह 1 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

इसके अलावा अब नौकरी शुरू करने के 6 महीने के भीतर ही निकासी की जा सकती है। जहां पहले पूरी निकासी के लिए सदस्य को ज्यादा इंतजार करना होता था, पर अब ऐसा नहीं है। अगर कोई कर्मचारी 6 महीने के भीतर नौकरी छोड़ देता है तो वह पीएफ अकाउंट से पूर्ण निकासी कर सकता है।

पीएफ अकाउंट से फंड निकालने का प्रोसेस

- ईपीएफओ के ई-सेवा पोर्टल पर जाएं। यहां मेंबर ऑप्शन पर क्लिक करें।
- इसके बाद यूएएन, पासवर्ड और कैप्चा की मदद से लॉग-इन करें।
- लॉग-इन होने के बाद 'ऑनलाइन सर्विसेज' में जाएं।
- अब फॉर्म-31, 19, 10सी और 10डी में से एक को चुनें।
- इसके बाद पर्सनल डिटेल्स को वेरिफाई करें।
- अब फॉर्म 31 सेलेक्ट करके निकासी का कारण बताएं।
- इसके बाद रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आए OTP को भरके सबमिट करें।

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर भारत, बढ़ती GDP का एक्सपोर्ट पर दिख रहा असर

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। सरकार इसके लिए "Make in India" और प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) स्कीम भी चला रही है। भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ बढ़ जाने का असर निर्यात पर भी पड़ रहा है। उम्मीद है कि वित्त वर्ष 24 में निर्यात 800 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। पढ़ें पूरी खबर...

नई दिल्ली। भारत के आर्थव्यवस्था में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। अर्थव्यवस्था में जारी तेजी का असर एक्सपोर्ट पर भी पड़ रहा है। बता दें कि सरकार द्वारा शुरू किये गए "Make in India" और प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) स्कीम ने आर्थिक परिवर्तन की गति को बढ़ा दिया है।

सरकार की इन नीतियों से औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है और साथ ही विदेशी निवेश को भी आकर्षित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर भारत को प्रमुख पहचान बनाने में मदद कर रहा है। यह भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

Moody's ने बढ़ाया GDP दर का अनुमान

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को 2024 के लिए 7.2 फीसदी और 2025 के लिए 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। निजी खपत में वृद्धि, यूपीआई (UPI) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म को तेजी जैसे बड़े पैमाने की वजह से जीडीपी ग्रोथ में तेजी आ सकती है।

एक विकासशील अर्थव्यवस्था से वैश्विक आर्थिक ताकत बनने की भारत की राह निर्विवाद है। रणनीतिक सुधार, निर्यात विविधीकरण और राजकोषीय अनुशासन देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में स्थापित करने में मदद कर रहे हैं। जैसे-जैसे भारत इस रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा, वैश्विक व्यापार और आर्थिक परिदृश्य पर इसका प्रभाव और मजबूत होता जाएगा।

अमन वर्मा, निदेशक, धन्वंतरि कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

निर्यात में आया उछाल

भारत के अर्थव्यवस्था में आई तेजी का असर निर्यात पर पड़ा है। उम्मीद जताई जा रही है कि वित्त वर्ष 24 में निर्यात 800 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में निर्यात 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया। निर्यात उत्पादों में विविधता लाने और वैश्विक व्यापार नेटवर्क को मजबूत करने पर सरकार का ध्यान बना हुआ है। इसके अलावा राजकोषीय घाटा और मजबूत राजस्व संग्रह सहित विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है।

अब शेयर मार्केट से बनेगा बेशुमार पैसा! आ गया वॉरेन बफे की स्ट्रैटजी से निवेश करने वाला AI

शेयर मार्केट में निवेश करके ज्यादा रिटर्न पाने की हर किसी को चाहत होती है। ऐसे में वह दिग्गज निवेशकों की सलाह और रणनीतियों को फॉलो करते हैं। अब AI भी इन दिग्गजों की रणनीति को फॉलो करेगा। इंटेलिजेंट अल्फा (Intelligent Alpha) ने इसके लिए चैटबॉट ऑपरेटेड AI ETF लॉन्च किया है। इस आर्टिकल में जानते हैं कि यह एआई चैटबॉट कैसे काम करेगा।

नई दिल्ली। निवेश का लक्ष्य ही हाई रिटर्न पाना है। निवेशक हाई रिटर्न की चाह में निवेश करते हैं। ऐसे में वह दुनिया के बड़े दिग्गज निवेशकों की रणनीति भी अपनाते हैं। दिग्गज निवेशकों की बात करें तो सबसे पहला नाम ही वॉरेन बफे (Warren Buffet) का आता है।

वॉरेन बफे ने 8 दशक में अपनी कंपनी को 1 ट्रिलियन डॉलर का बना दिया है। बफे निवेशकों को निवेश की रणनीति और स्टेक सेलेक्शन की सलाह भी देते हैं। वह निवेशकों को सलाह देते हैं कि S&P 500 में लंबे समय के लिए निवेश करना चाहिए।

अब निवेशक ही नहीं AI भी वॉरेन बफे के निवेश रणनीति को फॉलो करने की कोशिश कर रहा है। जी हां, कई फिनटेक स्टार्टअप कंपनी कोशिश कर रही हैं कि वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के जरिये दिग्गज निवेशकों की रणनीति का इस्तेमाल करके निवेशकों को सलाह दे। इसके लिए इंटेलिजेंट अल्फा (Intelligent Alpha) ने शुरुआत भी कर दी है।

चैटबॉट ऑपरेटेड AI ETF हुआ लॉन्च

इंटेलिजेंट अल्फा ने एक चैटबॉट ऑपरेटेड AI ETF (एक्सचेंड ट्रेडिड फंड) लॉन्च किया है। इसमें एआई वॉरेन बफे के अलावा स्टेनली ड्रुकेनमिलर, डेविड टेपर, स्टीव कोहन जैसे निवेशकों की रणनीति का इस्तेमाल करेगा। अल्फा ने बताया कि इसमें रणनीतियों को फॉलो करने के लिए लार्ज लैंग्वेज मॉडल (Large Language Model-LLM) तैयार किया गया है। यह मॉडल निवेशकों की रणनीतियों को समझने और निवेशकों को समझाने का काम करेगी।

कैसे काम करेगी चैटबॉट ऑपरेटेड AI ETF

कंपनी ने बताया कि इसमें ChatGPT, Gemini, Cloud जैसे एआई चैटबॉट निवेश के लिए कंपनियों को छांटेंगे। ये सभी कंपनी अलग-अलग सेक्टर्स जैसे हेल्थकेयर, एनर्जी आदि पर आधारित होगी। इसके बाद चैटबॉट निवेशकों की रणनीति के हिसाब से निवेशकों को निवेश की सलाह देंगे।

उम्मीद की जा रही है कि अगर चैटबॉट ऑपरेटेड AI ETF सफल हो जाता है तो आम निवेशक भी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके बफे जैसे दिग्गज निवेशकों के नजरिये से निवेश कर सकते हैं और बेहतर रिटर्न भी पा सकते हैं।

आलू, प्याज को कोल्ड स्टोरेज में रखने की घटेगी लागत, किसानों की बढ़ेगी कमाई

सरकार इररेडिएशन यूनिट की संख्या बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इररेडिएशन यूनिट में खाद्य पदार्थ को सिर्फ गामा-रे से होकर गुजारा जाता है। इस विकरण का कोई प्रभाव खाद्य पदार्थ पर नहीं पड़ता बल्कि वह सूक्ष्म जीवों और कीटाणुओं से सुरक्षित हो जाता है। संग्रहण करने की अवधि बढ़ जाती है। संग्रहण के दौरान उसके स्वाद या बनावट में कोई बदलाव नहीं आता।

नई दिल्ली। किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक और प्रयास करते हुए केंद्र सरकार का जोर अब खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को अधिक प्रोत्साहन देने पर भी है। इसके तहत ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने देश में इररेडिएशन यूनिटों (विकिरण इकाइयों) की संख्या बढ़ाने का निर्णय किया है।

इन इकाइयों में गामा-रे से उपचारित कृषि उपजों व खाद्य पदार्थों को सुरक्षित संग्रहित करने की अवधि बढ़ जाएगी, साथ ही किसी भी तरह के रसायन से मुक्त इन पदार्थों को शीतगृह आदि में रखने की लागत कम आने का लाभ भी किसानों को मिलेगा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने हाल ही में देश में 50 नई इररेडिएशन यूनिट लगाने की घोषणा की है। इसके लिए निजी कंपनियों से प्रस्ताव मांगे गए हैं।

एटोमिक एनर्जी विभाग के अधीन संचालित भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के साथ काम कर रहा है। भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर इस तकनीक पर कई वर्षों से काम कर रहा है।

वर्ल्ड फूड इंडिया में आए भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर, ट्रांम्बे मुम्बई के प्रतिनिधि ने बताया कि इररेडिएशन यूनिट में खाद्य पदार्थ को सिर्फ गामा-रे से होकर गुजारा जाता है। इस विकरण का कोई प्रभाव खाद्य पदार्थ पर नहीं पड़ता, बल्कि वह सूक्ष्म जीवों और कीटाणुओं से सुरक्षित हो जाता है। संग्रहण करने की अवधि बढ़ जाती है। संग्रहण के दौरान उसके स्वाद या बनावट में कोई बदलाव नहीं आता।

इसके साथ ही पदार्थ को कोल्ड स्टोरेज आदि में संग्रहित करने की लागत घट जाती है। जैसे आलू को यदि पांच-छह डिग्री तापमान पर संग्रहित करने की आवश्यकता होती है तो उसी पदार्थ को विकरण के बाद 14-15 डिग्री तापमान पर भी संग्रहित किया जा सकता है। इससे बिजली की बहुत बचत होती है।

भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रतिनिधि ने बताया कि भविष्य में इकाइयों की संख्या 500 तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उल्लेखनीय है कि 2000 से 2024 तक देश में सिर्फ 28 इररेडिएशन इकाइयां ही स्थापित हो सकी हैं।

फेस्टिव सीजन सेल में कौन-कौन से बैंक कार्ड पर मिल रहा डिस्काउंट, चेक करें पूरी लिस्ट

त्योहार का जैसे ही समय आता है तो ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के Festive Season Sale 2024 का इंतजार होता है। अभी कई प्लेटफॉर्म पर फेस्टिव सेल शुरू हो गई है और कहीं पर शुरू होने वाली है। इस फेस्टिव सेल में खरीदारों को डबल फायदा होने वाला है।

नई दिल्ली। फेस्टिव सीजन का आगाज हो गया है। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन की सेल में शॉपिंग करने वाले हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। दरअसल, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ कई बैंक अपने क्रेडिट कार्ड (Credit Card) यूजर को भारी डिस्काउंट दे रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी डिस्काउंट के तरीके ढूंढ रहे हैं तो हम आपको उन बैंक कार्ड के बारे में बताएंगे जहां से आप भी ज्यादा डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं।

HDFC बैंक

एचडीएफसी बैंक के VISA Contactless क्रेडिट कार्ड (HDFC VISA Contactless Credit Card) में शानदार ऑफर शुरू होने वाले हैं। एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड पर 30 अक्टूबर 2024 से ऑफर शुरू होगा। इस ऑफर के तहत क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने पर यूजर को 5 से 15 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा। शॉपिंग के अलावा Mad over donuts और Lookwell Salon के बिल पर 15 फीसदी का डिस्काउंट मिल रहा है।

कोटक महिंद्रा बैंक

कोटक महिंद्रा बैंक अपने क्रेडिट कार्ड (Kotak Mahindra Credit Card) की ईएमआई पर भी छूट दे रही है। बैंक क्रेडिट कार्ड पर 10 फीसदी से लेकर मैक्सिमम 3,000 रुपये का डिस्काउंट दे रही है। वहीं, अगर यूजर Organic Harvest से 400 रुपये से ज्यादा की शॉपिंग करता है तो उसे 40 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा। बैंक आम शॉपिंग पर 15 फीसदी तक का एक्सट्रा डिस्काउंट दे रहा है। बैंक कोटक क्रेडिट ईएमआई पर भी 8,000 रुपये का एक्सट्रा डिस्काउंट दे रहा है।

#Cybershala: डिजिटल गिरफ्तारी से बचने के उपाय

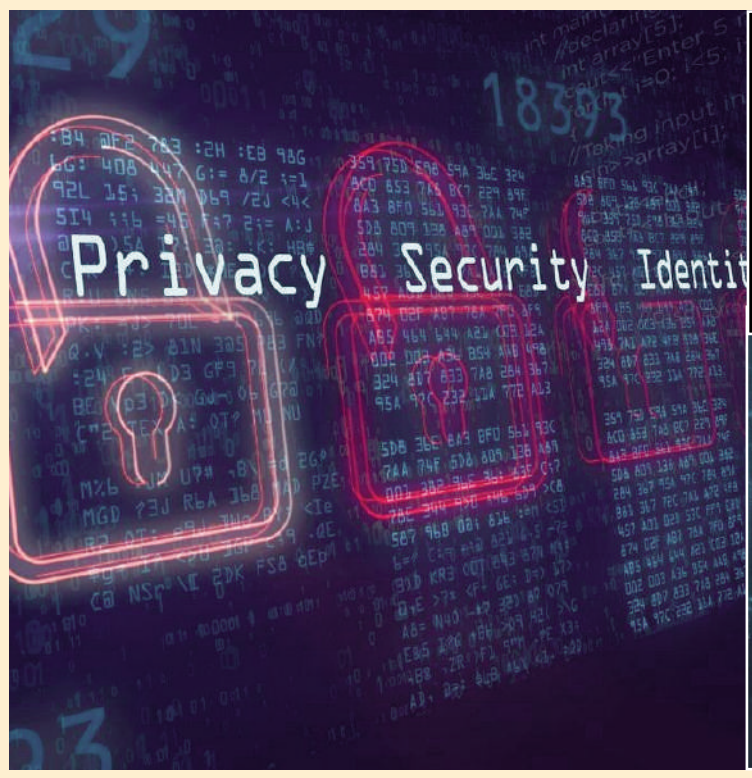

आज के डिजिटल युग में इंटरनेट और मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराधों में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। कई लोग डिजिटल अपराधियों का शिकार बनते हैं, जिससे न केवल उनकी निजी जानकारी चोरी होती है, बल्कि उन्हें आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ता है। इस संदर्भ में हमने प्रसिद्ध फॉरेंसिक और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. वैभव से एक विशेष बातचीत की। आइए जानते हैं उनके विचार और सुझाव, ताकि हम डिजिटल गिरफ्तारी से सुरक्षित रह सकें।

सवाल: डॉ. वैभव, आजकल डिजिटल अपराधों में वृद्धि हो रही है। इस स्थिति को देखते हुए आप इसे कैसे देखते हैं और इसका मुख्य कारण क्या है?

डॉ. वैभव: सही कहा आपने। डिजिटल अपराधों में इजाफा हुआ है, जिसका मुख्य कारण लोगों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता की कमी है। आजकल अधिकतर लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता होता कि उनकी जानकारी कैसे सुरक्षित रखनी है। अपराधी इस अज्ञानता का फायदा उठाते हैं और लोगों की निजी जानकारी तक पहुंच बनाते हैं।

सवाल: ऐसे कौन से मुख्य तरीके हैं, जिनसे लोग साइबर अपराध का शिकार होते हैं?

डॉ. वैभव: सबसे सामान्य तरीके फिशिंग, मालवेयर अटैक और सोशल इंजीनियरिंग हैं। फिशिंग में अपराधी नकली वेबसाइट या ईमेल के जरिए आपके बैंक डिटेल्स या पासवर्ड जैसी संवेदनशील जानकारी चुराते हैं। मालवेयर अटैक से आपके डिवाइस पर नियंत्रण किया जा सकता है, और सोशल इंजीनियरिंग के जरिए अपराधी आपको धोखे से ऐसी जानकारी देने पर मजबूर करते हैं, जिसका वे गलत इस्तेमाल कर सकते हैं।

सवाल: सामान्य व्यक्ति इन साइबर हमलों से कैसे बच सकता है?

डॉ. वैभव: सबसे पहले तो आपको अपनी निजी जानकारी को साझा करने में बहुत सतर्क रहना चाहिए। किसी भी अनजान लिंक या ईमेल पर क्लिक करने से बचें। हमेशा मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें और नियमित रूप से उसे बदलते रहें। अपने डिवाइस में एंटीवायरस और फ़ायरवॉल का उपयोग करें, और यह सुनिश्चित करें कि आपके सॉफ़्टवेयर और ऐप्स समय-समय पर अपडेट होते रहें।

सवाल: क्या कोई विशेष संकेत होते हैं जिनसे हम साइबर हमले का अंदेशा लगा सकते हैं?

डॉ. वैभव: हां, अगर आपका सिस्टम धीमा हो रहा है, बिना किसी कारण के पॉप-अप विज्ञापन आ रहे हैं, या आपका इंटरनेट डेटा तेजी से खर्च हो रहा है, तो ये संकेत हो सकते हैं कि आपके सिस्टम में मालवेयर हो सकता है। इसके अलावा, यदि आपको बैंक या अन्य संस्थाओं से संदिग्ध ईमेल या कॉल आते हैं, तो सतर्क हो जाएं और उन्हें अनदेखा न करें।

सवाल: साइबर अपराधों से निपटने के लिए सरकार और एजेंसियों द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

डॉ. वैभव: सरकार और एजेंसियां लगातार साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सुधार कर रही हैं। कई साइबर कानून बनाए गए हैं, और साइबर अपराधों की जांच के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा, जागरूकता अभियानों के जरिए लोगों को साइबर सुरक्षा के बारे में शिक्षित किया जा रहा है। लेकिन इसके साथ-साथ लोगों को भी अपनी तरफ से सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सवाल: अंत में, आप #Cybershala के माध्यम से लोगों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

डॉ. वैभव: मैं सभी से कहना चाहूंगा कि आज के डिजिटल युग में सुरक्षा केवल तकनीक की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारी भी जिम्मेदारी है। हमें सतर्क रहना होगा, जागरूक होना होगा, और अपने डिजिटल उपकरणों और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। जैसे-जैसे हम डिजिटल दुनिया में आगे बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे हमारी सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। #Cybershala के जरिए मैं यही कहना चाहूंगा कि आप सभी को अपने डिजिटल जीवन को सुरक्षित और सतर्क रखने की जरूरत है।

इस विशेष बातचीत के माध्यम से हमने जाना कि डिजिटल गिरफ्तारी से बचने के लिए साइबर सुरक्षा की मूल बातें जानना और उन्हें अपनाना कितना आवश्यक है। #Cybershala हमेशा आपके साथ है, आपके डिजिटल जीवन को सुरक्षित रखने के लिए। सुरक्षित रहें, जागरूक रहें।

प्रकाश चौहान का जन्मदिन: गोमाता की सेवा में अनोखी पहल

2 लाख 51 हजार राशि गौ दान 221 किलो लापसी गोमाता को व 251 किलो दाना कबूतरों को खिलाकर मनाया 37 वां जन्मदिन

परिवहन विशेष न्यूज

बेंगलूरू: गौ भक्त प्रकाश चौहान ने अपने 37 वां जन्मदिन को अनोखे तरीके से मनाया। एक्सपर्ट कॉलर्स ईसीपीएल. प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख प्रकाश चौहान व उनके परिवार ने कृष्ण गौशाला होसूर भण्डे परिसर में गौमाता की पूजा-अर्चना कर आरती की गई। उसके बाद उन्होंने 221 किलो की लापसी गौमाता को खिलाई। और 251 किलो दाना कबूतरों को और एक टोली हरा चारा गौमाता को खिलाया। उन्होंने इस मौके पर 2 लाख 51 हजार रूपए गौशाला में भेंट कर अपने जन्मदिन को यादगार बनाया। इस अवसर पर गौशाला के प्रमुख स्वामी पुखराज महाराज ने समाजसेवी प्रकाश चौहान एवं उनके परिवार के सदस्यों को माला शाल व गौमाता की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया तथा स्वामी ने चौहान परिवार का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में प्रकाश चौहान ने स्वामी पुखराज महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कहा की मैंने हमेशा गौ माता और पक्षियों की सेवा करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि मेरे जन्मदिन पर यह उपकार करना मेरे लिए सच्ची खुशी है। इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रकाश चौहान के इस उपकार की सराहना की और उनके इस नेक काम के लिए उन्हें बधाई दी।

भरतपुर थाने की घटना पर युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर : भरतपुर थाने में मेजर और उसके मंगेतर से दुष्कर्म मामले के विरोध में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया है। युवा कांग्रेस कार्यकर्ता भुवनेश्वर कांग्रेस भवन से रैली में निकले और मुख्यमंत्री आवास को घेरने की कोशिश की। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की है क्योंकि मुख्यमंत्री इस घटना में पुलिस को बचा रहे हैं।प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। यहाँ रखवाले को भख्यक बन गए हैं। मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जाते समय कांग्रेसियों ने लोअर पीएमजी में लगे बैरिकेड के पास जाने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस द्वारा रोके जाने पर कांग्रेस ने पुलिस पर टमाटर और अंडे फेंके। कांग्रेस ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री ने तुरंत इस्तीफा नहीं दिया तो आने वाले दिनों में उन्हें अंडे और टमाटर की तरह पीटा जाएगा।

आरक्षण को लेकर राहुल का बयान संविधान के खिलाफः अठावले

उन्होंने राहुल गांधी की इस टिप्पणी को लेकर भी निशाना साधा है कि कांग्रेस आरक्षण समाप्त करने के बारे में तब सोचेगी जब भारत एक निष्पक्ष जगह होगी। फिलहाल देश में ऐसा नहीं है। अठावले ने कहा कि यह बयान संविधान के खिलाफ है और कांग्रेस के आरक्षण विरोधी रुख को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कोई भी दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को दिए गए आरक्षण को समाप्त नहीं कर सकता।

स्प्रिंगफील्ड कॉलोनी, फरीदाबाद में एमसीएफ का सफाई अभियान विफल

स्वच्छता सर्वेक्षण की सूची में सुधार का सपना अधूरा

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद नगर निगम (MCF) स्वच्छता सर्वेक्षण में टॉप 20 शहरों की सूची में शामिल होने का प्रयास कर रहा है और इस दिशा में शौचालयों को साफ-सुथरा बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, सप्रिंगफील्डकॉलोनी में एमसीएफ द्वारा स्थापित एकमात्र सार्वजनिक शौचालय की खराब स्थिति इस अभियान की विफलता को उजागर करती है। इस शौचालय की स्थिति इतनी खराब है कि यह लंबे समय से बंद पड़ा है और स्थानीय लोग मजबूरी में बाजार क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर मूत्रत्याग करते हैं, जिससे पूरे इलाके की सफाई पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है।

सप्रिंगफील्ड कॉलोनी के बाजार क्षेत्र की हालत पिछले दो दशकों से बेहद खराब है। यहां के लोग स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं के लिए लगातार मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कॉलोनी के स्थानीय निवासियों ने अपने स्तर पर सड़कें साफ और हरी-भरी रखने के लिए कई प्रयास किए हैं, लेकिन नगर निगम की लापरवाही और सुविधाओं की कमी ने उनके प्रयासों को अधूरा बना दिया है।

नजदीकी चुनावों को देखते हुए, स्थानीय निवासियों की बुनियादी ढांचे की मांग बढ़ती जा रही है। सप्रिंगफील्ड बाजार के व्यापारी और निवासी शौचालय की तुरंत मरम्मत और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह न केवल स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रयासों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा, बल्कि चुनावों में भी इसका असर दिख सकता है।

नालियों का ओवरफ्लो और शौचालय की कमी से बाजार और आवासीय क्षेत्र में दुर्गंध और अव्यवस्था

सप्रिंगफील्ड कॉलोनी के बाजार और आवासीय क्षेत्र की स्थिति नालियों के ओवरफ्लो और शौचालय की कमी के कारण बेहद खराब हो गई है। लगातार बह रही नालियों से पूरे इलाके में बदबू फैली हुई है, जिससे स्थानीय निवासियों और बाजार में आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शौचालय की अनुपलब्धता के कारण लोग मजबूरन सार्वजनिक स्थानों पर शौच कर रहे हैं, जिससे स्वच्छता की स्थिति और भी बिगड़ गई है।

इस दुर्गंध और अव्यवस्था के कारण यहां के निवासी बेहद असुविधा महसूस कर रहे हैं, और बाजार क्षेत्र में आने वाले ग्राहकों की संख्या में भी गिरावट देखी जा रही है। स्थानीय लोग इस स्थिति से काफी परेशान हैं और प्रशासन से तुरंत कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

निवासियों का कहना है कि पिछले कई महीनों से नालियों की सफाई नहीं हुई है, जिससे पानी जमा होकर ओवरफ्लो हो रहा है। चुनाव नजदीक होने के बावजूद, बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने नगर निगम से इस समस्या का समाधान करने और क्षेत्र की स्वच्छता और व्यवस्था को बहाल करने की मांग की है।

सप्रिंगफील्ड कॉलोनी के लोगों ने अधिकारियों से अपील की है कि वे चुनावों से पहले बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान दें और बाजार क्षेत्र की स्थिति में सुधार करें। साफ और हरे-भरे शहर का सपना तभी साकार हो सकता है जब प्रशासन और नागरिक एक साथ मिलकर काम करें।

व्यंग आलेख : सब कुछ मिलता है आप तैयार हो ना.....

स्वतंत्र लेखक -
हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

'एक संस्था के आफिस में मैनेजर फोन पर बोल रहा था-"आजकल तो हर चीज किराए पर मिल जाती है। चकाचौंध भरी दुनिया में आधुनिकता का तड़का लगा हुआ है। इसके चलते जीवन-मरण, सुख-दुःख व हर एक के लिए यहाँ सब-कुछ तैयार मिलता है। शादी- सगाई के लिए टेलेंटेड बन्दे मिल जाते हैं हर उम्र के, आप तैयार हो ना' ! सभी के अलग-अलग भाव के अनुसार उनकी प्रतिभा के हिसाब से आप उनकी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। अब आप इसे नाटक समझें, या फिर आपकी समस्या का समाधान, यह आप का विवेकाधिकार है, पर मूल्य तो चुकाना ही होगा, तभी आपका काम पूरा होगा। जनाब चाहें आप कंधा लगवा लीजिए या दूल्हे राजा के रिश्तेदार बनवा लीजिए। सब काम में तैयार है हमारी इस संस्था में आदमी, आप तैयार हो ना' !"

इसी बीच एक ग्राहक आता है आफिस में,-"अरे आइए, आइए बैठिए सेठ जी।"

मैनेजर बोला-"आप के दुःख-सुख में हमेशा तैयार है हमारी संस्था। आपके अनुदान के हिसाब से किस काम के लिए, किसे ले जाना चाहते हो ? कितने आदमी, १ दर्जन, २ दर्जन' सभी के रेट में थोड़ा-बहुत फर्क है सेठ जी। यह कोई लूट का काम नहीं है। आप बताएं किस काम के लिए आए हैं ?"

"अरे भाई क्या बताऊं ! आज सुबह ही मेरे पूज्य पिता जी का स्वर्गवास हो गया। ११ बजे शवयात्रा निकलेगी। अब इस शहर में लाईफ-स्टाइल कितनी तेजी से बढ़ रही है। फिर किसी के पास टाइम नहीं है। रिश्तेदार दूर से आते-आते शाम हो जाएगी, इसी लिए आपके आफिस आया हूँ। जल्दी से १५ लोग तो चहिए, ५-६ महिलाएं भी हों। आदमी होशियार चहिए, जो शवयात्रा के दौरान कंधा लगा लें। सब-काम अच्छे से हो जाएगा।"

"ठीक है सेठ जी, मैं २० लोगों को भेज देता हूँ।"

"हा, हां सही है मैनेजर साहब, पर पैसे कितने लगेंगे ?

"सेठ जी, १ आदमी के ४००"। एडवांस २०००"जमा करा दीजिए, बाकी बाद में जब सब कार्य निपट जाए, तब दे सकते हो।"

एडवांस जमा कराकर वह चले जाते हैं, उसी बीच फिर दूसरा ग्राहक आता है,- "सगाई के लिए १० आदमी चहिए, जो रिश्तेदार बन कर चल सकें। मात्र २ घंटे का काम है। बताईए तैयार हैं आदमी ! अर्जेन्ट में अभी चलना है, क्योंकि २ बजे हम दोनों को ऑफिस जाना है।"

मैनेजर-"हां हां हमारे यहाँ २४ घंटे सुविधा उपलब्ध है। पुरुष, महिला, लड़की, बच्चे सब मिल जाएंगे, पर श्रीमान जी अर्जेन्ट यानी त्वरित सेवा के ₹ ज्यादा लगेंगे।"

"हा हां ठीक है चलेगा। बताईए कितने देना है ?"

"सर ५०००₹ अभी जमा करा दीजिए। बाकी सगाई के बाद टोटल १५ हजार ₹ लगेंगे।"

"ठीक है, भेजिए।"

उसी बीच मैनेजर आदमियों को बोलता है, अरे वह सभागार में ४० आदमी गए कि नहीं ! बारात लगना है ४ बजे। १० बुजुर्ग भी चाहिए, चाचा, मामा व काका बनाएंगे।"

यह देखिए महानगरों व आधुनिक शहरों का हाल। इस आपा-धापी में पैसे की तरफ भागता मनुष्य इतना पत्थर दिल हो चुका है कि इंसान से इंसानियत के रिश्ते दिखावटी हो चुके हैं। समय का अभाव कहें या लालच का पिटारा कि अब रिश्ते खोखले साबित हो चुके हैं। हा समय मूल्यवान जरुर है, पर अपने लिए। परिवार के लिए रिश्ते, परम्परा, भाईचारा, समन्वय, धर्म, संस्कार और हमारी भारतीय संस्कृति यह विदेशी आक्रमणकारी की नकारात्मक सोच से दूषित हो चुके हैं। सब-कुछ बेकार हो गया है। मनुष्य की नैतिकता में खोट आ गई है। पैसे, माया, लोभ, चोरी और झूठ के प्रलोभन में वर्तमान समय में मनुष्य भटक गया है। इसी लिए, इस भौतिकता के दौर में सब-कुछ बिकता है, खरीदोगे क्या ? एक मशहूर कलमकार ने कहीं लिखा था कि एक समय वह था, जब लोगों के घर छोटे थे, पर दिल बड़े होते थे। आज दिल छोटे और घर बड़े हो गए हैं। तभी तो यहाँ सब-कुछ मिलता है, तो आप तैयार हो ना... !

"एक राष्ट्र, एक चुनाव" पर चर्चा

आशीष कुमार, स्पेशल रिपोर्टर परिवहन विशेष

भारत के संसदीय लोकतंत्र में हाल ही में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" का विचार फिर से उभर कर सामने आया है। 1 सितंबर 2023 को केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की थी। इस समिति को संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करने की संभावना पर विचार करना था। समिति ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है। कैबिनेट ने उस पर अपनी सहमती भी दे दी है।

इसका उद्देश्य यह है कि लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं। इस विचार के समर्थक तर्क देते हैं कि इससे चुनावी खर्चों में कमी आएगी, सुरक्षा एजेंसियों को राहत मिलेगी, और राजनेता चुनावी प्रचार की बजाय असली काम पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

"एक राष्ट्र, एक चुनाव" का इतिहास

1952 और 1957 में भारत ने एक साथ चुनाव कराने का प्रयोग किया था। लेकिन जैसे-जैसे राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल से पहले गिरती गईं, अलग-अलग चुनावी चक्र विकसित हुए। यह प्रणाली लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जटिलता और भारत की संघीय संरचना से मेल खाती है।

अगर किसी राज्य की सरकार का कार्यकाल बीच में समाप्त हो जाए, तो क्या जनता को तब तक इंतजार करना पड़ेगा जब तक अगला लोकसभा चुनाव न हो? और अगर केंद्र सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले गिर जाती है, तो क्या राज्यों की सरकारें भी स्वतः ही भंग हो जाएंगी?

संघीय व्यवस्था और चुनाव

भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली का आधार यह है कि राज्य और केंद्र सरकारें अपनी-अपनी विधानसभाओं के प्रति उत्तरदायी होती हैं। ₹एक राष्ट्र, एक चुनाव₹ इस व्यवस्था को चुनौती देता है। अगर एक ही समय पर चुनाव कराए जाएंगे, तो इससे भारत की संघीय संरचना कमजोर होगी, क्योंकि प्रत्येक राज्य के मुद्दे अलग-अलग होते हैं, और उनके चुनावी निर्णय राष्ट्रीय मुद्दों से प्रभावित हो सकते हैं।

सामूहिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत

भारतीय संविधान में सरकारें सामूहिक उत्तरदायित्व के आधार पर कार्य करती हैं। इसका मतलब है कि सरकारें संसद या राज्य विधानसभाओं के प्रति जिम्मेदार होती हैं। अगर सरकारें विश्वास मत हारती हैं, तो उन्हें इस्तीफा देना पड़ता है। यह प्रणाली सरकारों को जवाबदेह बनाती है, लेकिन अगर सभी चुनाव एक साथ हों, तो ऐसी स्थिति में सरकारें कार्यकाल पूरा करने तक टिके रह सकती हैं, भले ही उन्होंने विश्वास खो दिया हो।

राष्ट्रपति प्रणाली का प्रभाव

कई आलोचक मानते हैं कि ₹एक राष्ट्र, एक चुनाव₹ का विचार भारत में राष्ट्रपति प्रणाली की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें केंद्र को राज्यों पर अधिक नियंत्रण मिलेगा, और राष्ट्रपति शासन का उपयोग अधिक बार किया जा सकेगा। इससे भारतीय लोकतंत्र का केंद्रीकरण होगा, जो हमारी वर्तमान संघीय प्रणाली के विपरीत है।

अमेरिका में, जहां राष्ट्रपति प्रणाली है, वहां भी सभी चुनाव एक साथ नहीं होते। वहां राष्ट्रपति, कांग्रेस और राज्यों के चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। इसका कारण यह है कि संघीय व्यवस्थाओं में चुनावों का समय निश्चित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह जनता की आवश्यकताओं और राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करता है।

संविधान में परिवर्तन

अगर ₹एक राष्ट्र, एक चुनाव₹ की योजना को लागू करना है, तो इसके लिए संविधान में बड़े बदलाव की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यह संसद की सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत को कमजोर कर देगा और राज्यों की स्वायत्तता को खतरे में डाल देगा।

इस संदर्भ में एक शेर बहुत सटीक बैठता है:

"ज़माने से नहीं बदले हैं, ये तौर-तरीके हुकूमत के,
जहाँ देखा गया मुनाफ़ा, वहीं इंसाफ़ बदलता है।"

यह शेर उस विडंबना को दर्शाता है कि सत्ता और व्यवस्था का स्वरूप तब बदलता है जब सत्ता में बैठे लोगों को फ़ायदा दिखता है। ₹एक राष्ट्र, एक चुनाव₹ जैसे विचारों का भी यही सार है कि एक केंद्रीयकृत व्यवस्था की ओर बढ़ने का प्रयास किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक और संघीय मूल्यों के विपरीत है।

अंततः, भारत जैसे विविध और जटिल लोकतंत्र में चुनावों का अस्थायी स्वरूप ही हमारे संविधान और संघीय व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023